दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-171, भोपाल, गुरुवार 05 मई 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

सुविचार

"इस बात से कोई अंतर नहीं पड़ता कि कोई विशेष क्षण कितना कठिन है, प्रेम और आशा हमेशा संभव हैं।" - जार्ज चैकिरिस

प्रधानमंत्री मोदी ने आइसलैंड की पीएम से की मुलाकात

व्यापार और ऊर्जा समेत कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर हुई बात

कोपेनहेगेन, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को आइसलैंड की प्रधानमंत्री कैटरीन जैकब्सडाटिर से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने व्यापार, ऊर्जा और मत्स्य पालन जैसे क्षेत्रों में सहयोग और द्विपक्षीय रिश्तों को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा की। पीएम मोदी तीन यूरोपीय देशों की यात्रा के दूसरे चरण में मंगलवार को बर्लिन से कोपेनहेगेन पहुंचे। उन्होंने दूसरे भारत नार्डिक शिखर सम्मेलन से इतर जैकब्सडाटिर से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्वीट कर बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने आइसलैंड की प्रधानमंत्री जैकब्सडाटिर के साथ बातचीत की। उन्होंने व्यापार, ऊर्जा, मत्स्य पालन समेत अन्य क्षेत्रों में सहयोग एवं संबंधों को बढ़ावा देने पर चर्चा की। दोनों प्रधानमंत्रियों ने अप्रैल 2018 में स्टाकहोम में पहली भारत नार्डिक शिखर बैठक के दौरान अपनी पहली बैठक को गर्मजोशी से याद किया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष दोनों देश राजनयिक संबंधों की स्थापना की 50वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।

वहीं विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों नेताओं ने विशेष रूप से भू-तापीय ऊर्जा, नवीकरणीय ऊर्जा, मत्स्य पालन, खाद्य प्रसंस्करण, ब्लू-इकॉनमी, आर्कटिक, डिजिटल विश्वविद्यालय और संस्कृति समेत शिक्षा के क्षेत्रों में आर्थिक सहयोग को और मजबूत करने के तौर-तरीकों पर चर्चा की। भूतापीय ऊर्जा एक ऐसा क्षेत्र है जहां आइसलैंड की विशेष विशेषज्ञता है। दोनों पक्षों ने इस क्षेत्र में दोनों देशों के विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। जारी बयान के मुताबिक दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रम पर भी चर्चा की।

मालूम हो कि पीएम मोदी की यूरोप यात्रा ऐसे समय हुई है जब रूस और यूक्रेन के बीच जंग लड़ी जा रही है। इस घटना ने रूस के खिलाफ यूरोप के अधिकांश हिस्से को एकजुट कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए जैकब्सडाटिर के व्यक्तिगत प्रयासों की सराहना की और उनको इस मसले पर भारत की प्रगति के बारे में जानकारी दी। दोनों नेताओं ने भारत यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ व्यापार वार्ता में तेजी लाने पर भी चर्चा की।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ट्वीट कर कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा, मत्स्य पालन, खाद्य प्रसंस्करण में आर्थिक संबंधों को मजबूत करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। भारत ने अपने यहां भू-तापीय ऊर्जा में सहयोगी परियोजनाओं का स्वागत किया है। आर्कटिक में सहयोग पर भी चर्चा हुई है। प्रधानमंत्री मोदी डेनमार्क, आइसलैंड, फिनलैंड, स्वीडन और नार्वे के प्रधानमंत्रियों के साथ दूसरे भारत नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले हैं।

इटली के विदेश मंत्री लुइगी डि माओ 4 से 6 मई तक भारत का करेंगे दौरा, व्यापार सहित कई मुद्दों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। इटली के विदेश मंत्री लुइगी डि माओ चार से छह मई तक भारत की आधिकारिक यात्रा करेंगे। यात्रा का लक्ष्य है कि दोनों देशों के संबंधों को और मजबूत बनाया जाए। विदेश मंत्रालय ने एक प्रेस रिलीज जारी करते हुए कहा कि यह लुइगी डि माओ की यह पहली भारत यात्रा होगी और उनके साथ एक उच्च स्तरीय अधिकारी और व्यावसायिक प्रतिनिधिमंडल भी मौजूद होंगे।

प्रेस रिलीज से मिली जानकारी के अनुसार, विदेश मंत्री की यात्रा द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं पर चर्चा करने और दोनों देशों के घनिष्ठ साझेदारी को आगे बढ़ाने का सर्वोत्तम अवसर है। इसके अलावा विशेष रूप से व्यापार और निवेश संबंध, रक्षा और सुरक्षा, स्वच्छ और हरित ऊर्जा, और विज्ञान और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों पर भी दोनों देशों के बीच बातचीत होगी।

प्रेस रिलीज में यह भी कहा गया कि आपसी हित के क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मुद्दों पर भी विचार किया जाएगा। बता दें कि डि माओ की मुलाकात वाणिज्य और उद्योग मंत्री, पीयूष गोयल के साथ भी होगी, जहां वो एक व्यापार गोलमेज की सह-अध्यक्षता करेंगे। दिल्ली पहुंचने से पहले वह बेंगलुरु जाएंगे जहां वह कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई से मुलाकात करेंगे।

पिछले साल पीएम मोदी पहुंचे थे इटली

उल्लेखनीय है कि भारत और इटली लंबे समय से मैत्रीपूर्ण संबंधों को कायम रखने में सफल रहे हैं। पिछले साल अक्टूबर महीने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इटली यात्रा पर गए थे। पीएम मोदी ने इटली के प्रधानमंत्री मारियो द्राघी से मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों में विविधता लाने पर व्यापक बातचीत की थी। दोनों देशों द्वारा ऊर्जा संक्रमण पर एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा भी किया गया।

महंगाई की मार, आरबीआई लाचार

महंगा होगा आपका लोन, रिजर्व बैंक ने इमरजेंसी मीटिंग में रेपो रेट 4प्रतिशत से बढ़ाकर 4.40 प्रतिशत की

नई दिल्ली, एजेंसी। लगातार बढ़ती महंगाई से चिंतित भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने रेपो रेट को 4 प्रतिशत से बढ़ाकर 4.40 प्रतिशत कर दिया है। यानी आपका लोन महंगा होने वाला है और आपको ज्यादा ईएमआई चुकानी होगी। 2 और 3 मई को मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की आपात बैठक हुई थी, जिसमें ये फैसला लिया गया है। ऋब्छ गवर्नर शक्तिकांत दास ने आज बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ये जानकारी दी।मॉनेटरी पॉलिसी की मीटिंग हर दो महीने में होती है। पिछली मीटिंग 6-8 अप्रैल को हुई थी। पिछली बार 22 मई 2020 को रेपो रेट में बदलाव हुआ था। तब से ये 4 प्रतिशत के ऐतिहासिक लो लेवल पर बना हुआ था। रेपो रेट वह रेट होता है जिस पर आरबीआई से बैंकों को कर्ज मिलता है, जबकि रिवर्स रेपो रेट वह दर होती है जिस दर पर बैंकों को ऋब्छ के पास अपना पैसा रखने पर ब्याज मिलता है।

रेपो रेट और ईएमआई का कनेक्शन

जब आरबीआई रेपो रेट घटाता है, तो बैंक भी ज्यादातर समय ब्याज दरों को कम करते हैं। इसका मतलब है कि ग्राहकों को दिए जाने वाले लोन की ब्याज दरें कम होती हैं, साथ ही ईएमई भी घटती है। इसी तरह जब रेपो रेट में बढ़ोतरी होती है, तो ब्याज दरों में बढ़ोतरी के कारण ग्राहक के लिए कर्ज बढ़ जाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि कॉमर्शियल बैंक को केंद्रीय बैंक से उच्च कीमतों पर पैसा मिलता, जो उन्हें दरों को बढ़ाने के लिए मजबूर करता है।

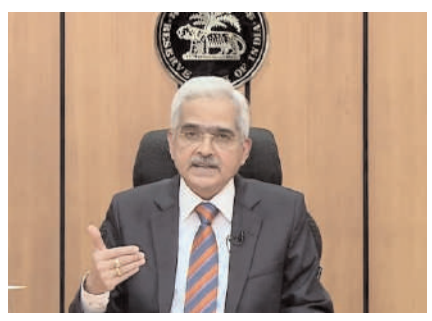

मान लीजिए कि आशीष ने 6प्रतिशत के रेट ऑफ इंटरेस्ट पर 20 साल के लिए 10 लाख रुपए का हाउस लोन लिया है। उसकी लोन की ईएमई 7164 रुपए है। 20 साल में उसे इस दर से 7,19,435 रुपए का ब्याज देना होगा। यानी, उसे 10 लाख के बदले कुल 17,19,435 रुपए चुकाने होंगे। आशीष के लोन लेने के एक महीने बाद आरबीआई रेपो रेट में 0.40प्रतिशत का इजाफा कर देता है। अब जब आशीष का एक दोस्त बैंक में लोन लेने के लिए पहुंचता है तो बैंक रेपो रेट बढ़ने की वजह से उसे 6.40प्रतिशत रेट ऑफ इंटरेस्ट ऑफर करती है।आशीष का दोस्त भी 10 लाख रुपए का ही लोन 20 सालों के लिए लेता है, लेकिन उसकी ईएमई 7,397 रुपए की बनती है। यानी आशीष की ईएमई से 233 रुपए ज्यादा। इस वजह से आशीष के दोस्त को 20 सालों में कुल 17,75,274 रुपए चुकाने होंगे। ये आशीष की रकम से 55 हजार ज्यादा है।

सीआरआर में भी 0.50प्रतिशत की बढ़ोतरी

आरबीआई ने कैश रिजर्व रेश्यू (सीआरआर) में भी 0.50प्रतिशत की बढ़ोतरी का भी फैसला किया है। इसे बढ़ाकर 4.5प्रतिशत कर दिया गया है। सीआरआर वह राशि होती है जो बैंकों को हर समय भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पास रखनी होती है। यदि केंद्रीय बैंक सीआरआर बढ़ाने का फैसला करता है, तो बैंकों के पास डिसबर्सल के लिए उपलब्ध राशि कम हो जाती है। सीआरआर का इस्तेमाल सिस्टम से लिक्विडिटी को कम करने के लिए करता है। आरबीआई का इस तरह से अचानक ब्याज दरें बढ़ाना बाजार के लिए काफी सरप्राइजिंग रहा। इस फैसले के बाद सेंसेक्स करीब 1300 पॉइंट गिरकर 55,700 के करीब पहुंच गया। मार्केट एक्सपर्ट अजय बग्गा ने कहा कि मार्केट के लिए ये काफी खराब है। आरबीआई को अचानक इस तरह का फैसला नहीं लेना चाहिए था। सीनियर इकोनॉमिस्ट बृंदा जागीरदार ने कहा कि महंगाई के बढ़ने की वजह से आरबीआई को ये फैसला लेना पड़ा है।

महंगाई बढ़ने से आरबीआई चिंतित

आरबीआई की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की इमरजेंसी मीटिंग ऐसे समय में हुई है जब रूस-यूक्रेन जंग के कारण कच्चे तेल से लेकर मेटल प्राइस में भारी उतार चढ़ाव देखा जा रहा है। ऐसे में पूरी दुनिया में महंगाई बड़ी समस्या बनी हुई है। पिछले मीटिंग में आरबीआई ने पहली तिमाही में महंगाई दर 6.3प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 5प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 5.4प्रतिशत और चौथी तिमाही में 5.1प्रतिशत रहने का अनुमान जताया था। अप्रैल में जारी सरकारी आंकड़ों के मुताबिक कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स आधारित रिटेल महंगाई दर मार्च में बढ़कर 6.95प्रतिशत हो गई थी। खाने-पीने के सामान की महंगाई 5.85प्रतिशत से बढ़कर 7.68प्रतिशत हो गई थी। यह लगातार तीसरा महीना था जब महंगाई दर आरबीआई की 6प्रतिशत की ऊपरी लिमिट के पार रही थी। फरवरी 2022 में रिटेल महंगाई दर 6.07प्रतिशत और जनवरी में 6.01प्रतिशत दर्ज की गई थी। मार्च 2021 में रिटेल महंगाई दर 5.52प्रतिशत थी।

पिछली मीटिंग के बाद से ही था दरें बढ़ने का अनुमान

बैंक ऑफ बड़ौदा के चीफ इकोनॉमिस्ट मदन सबनवीस ने पिछली मीटिंग के बाद कहा था, क्रेडिट पॉलिसी ने जीडीपी और महंगाई दोनों के अनुमानों में बदलावों से बाजारों को चौंका दिया है। जीडीपी ग्रोथ का अनुमान घटाकर 7.2प्रतिशत और महंगाई का अनुमान बढ़ाकर 5.7प्रतिशत करना स्पष्ट संकेत है कि आने वाले दिनों में रेपो रेट में बढ़ोतरी की जाएगी। हमें इस साल कम से कम 50 पीडीएस बढ़ोतरी की उम्मीद है।

काशी विश्वनाथ धाम वाराणसी से पशुपतिनाथ धाम काठमांडू की उड़ान 23 मई से, सप्ताह में तीन दिन संचालित होगा विमान

वाराणसी, एजेंसी। बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी से काठमांडू के पशुपतिनाथ धाम जाने में अब पर्यटकों को काफी आसानी होगी। इस रूट पर नेपाल की बुद्धा एयर 23 मई से सीधी विमान सेवा प्रारंभ करने की घोषणा की है। यह विमान सेवा सप्ताह में तीन दिन उपलब्ध रहेगी। इस रूट पर विमान सेवा प्रारंभ किये जाने से पर्यटन क्षेत्र से जुड़े लोगों में खुशी का महौल है।

वर्ष 2018 में सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस विमान सेवा को हरी झंडी दिखाकर शुरू किया था लेकिन बाद में कोरोना के फैलते संक्रमण को रोकने के लिये मार्च 2020 में सभी अंतरराष्ट्रीय विमानों पर रोक लगा दिया गया। ऐसे में वाराणसी-काठमांडू के बीच भी विमान सेवा बंद कर दी गयी। अब अंतरराष्ट्रीय विमानों पर प्रतिबंध हटा दिये जाने पर दो वर्ष बाद इस रूट पर फिर से विमान सेवा प्रारंभ की जा रही है।

23 मई से बुद्धा एयर का विमान यू4 161 सुबह 7 बजे काठमांडू एयरपोर्ट से उड़ान भरेगा जो 7.55 बजे वाराणसी एयरपोर्ट पर उतरेगा। वाराणसी से यही विमान

यू4 162 बनकर सुबह 08:35 बजे उड़ान भरेगा जो 9.25 बजे काठमांडू पहुंचेगा। बुद्धा एयर ने बुधवार को काशी से काठमांडू के लिए उड़ान सेवा प्रारंभ करने की घोषणा की। विमान सेवा का शेड्यूल भी जारी किया गया है। काशी से काठमांडू के लिए इसी महीने सीधे उड़ान सेवा शुरू होगी। इससे बाबा विश्वनाथ और पशुपतिनाथ का दर्शन पूजन के लिए आना जाना आसान हो जाएगा। अभी तक वाया दिल्ली वाराणसी और काठमांडू आना जाना होता था। बुद्ध एयर 23 मई से उड़ान सेवा शुरू करेगी। सीधी उड़ान सेवा शुरू होने पर न सिर्फ काशी और पूर्वांचल के लोगों को राहत मिलेगी, बल्कि बिहार, झारखंड और एमपी के लोग भी यहां आकर सीधी उड़ान से नेपाल जा सकेंगे।

एक तरफ का किराया 6 हजार रुपये

यह विमान सेवा सप्ताह में तीन दिन सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को उपलब्ध रहेगी। इस विमान का एक तरफ का किराया 6 हजार रुपये है, हालांकि फ्लेक्सी फेयर होने के चलते किराये में उतार चढ़ाव संभव है। बुद्धा एयर के कंट्री मैनेजर उद्धव सुबेदी ने बताया कि डीजीसीए से अनुमति मिलने के बाद शेड्यूल जारी कर दिया गया है। टिकट की बुकिंग प्रारंभ हो चुकी है। इस विमान के संचालन होने से दोनो देशों के पर्यटकों को काफी सुविधा होगी।

छग में नक्सलियों से मुठभेड़ में डीआरजी जवान शहीद

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा-नारायणपुर जिले के बॉर्डर इलाके में पुलिस और नक्सलियों के बीच जबरदस्त मुठभेड़ चल रही है। बताया जा रहा है कि इस मुठभेड़ में डीआरजी का एक जवान शहीद हो गया है। इसके बाद नारायणपुर से बैकअप पार्टी को भी मौके के लिए रवाना किया गया है। बताया जा रहा है कि इंद्रावती एरिया कमेटी के नक्सलियों ने घात लगाकर जवानों पर हमला किया है। जानकारी के मुताबिक, नारायणपुर पुलिस को सूचना मिली थी कि इंद्रावती नदी के पार स्थित अबूझमाड़ इलाके में तुलार गुफा के पास भारी संख्या में माओवादी मौजूद हैं। इसी सूचना के आधार पर नारायणपुर से जवानों की टीम को मौके के लिए निकाला गया था। जब जवान गुफा की तरफ पहुंचे तो यहां पहले से ही घात लगाए बैठे माओवादियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवानों ने भी मोर्चा संभाला लिया है। दोनों तरफ से हो रही गोलीबारी में डीआरजी का एक जवान शहीद हो गया है। शहीद जवान का नाम सालिक राम है जो कांकेर

जिले का रहने वाला था। जिस इलाके में मुठभेड़ चल रही है वो नक्सलियों का कोर इलाका है। फिलहाल अंदरूनी और संवेदनशील इलाका होने की वजह से ज्यादा जानकारी सामने नहीं आ सकी है।

लाउडस्पीकर विवाद

राज ठाकरे का एलान- 135 मस्जिदों ने तोड़ा कोर्ट का नियम, हम भी करेंगे हनुमान चालीसा का पाठ

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र में लाउडस्पीकर से अजान को लेकर सियासी घमासान मचा हुआ है। मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने साफ कहा है कि जब तक मस्जिदों में गैरकानूनी लाउडस्पीकर से अजान बंद नहीं होती तब तक हम भी मस्जिदों के बार हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे। बता दें कि राज ठाकरे बुधवार को मुंबई में इस पूरे विवाद को लेकर एक प्रेस कांफ्रेंस कर रहे थे। राज ठाकरे ने इस पीसी में कहा, %ये सिर्फ मस्जिदों की बात नहीं है। कई मंदिरों में भी गैरकानूनी लाउडस्पीकर लगे हुए हैं। उसको भी मंदिरों से हटाना चाहिए। ये विषय सामाजिक है, ये धार्मिक विषय नहीं है।राज ठाकरे ने आगे कहा, मेरा कहना है कि सभी अवैध लाउडस्पीकरों को मस्जिदों से हटा दिया जाना चाहिए, जब तक उन्हें हटा नहीं दिया जाता हम

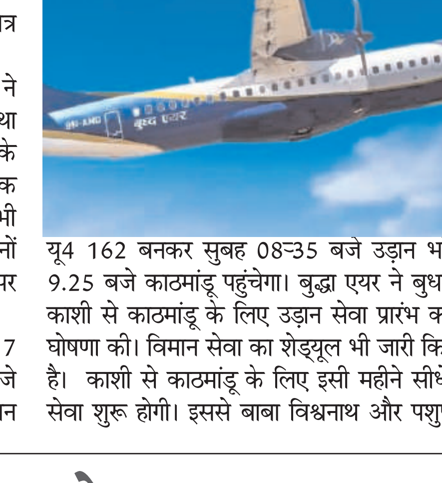

अपना आंदोलन जारी रखेंगे। हम अजान के समय मस्जिदों के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ करना जारी रखेंगे। मुझे देखना होगा कि अगर सरकार उसके आदेश का पालन नहीं कर रही है तो सुप्रीम कोर्ट क्या कर रहा है।

ठाकरे ने कहा कि हम राज्य में शांति चाहते हैं। पुलिस उन 135 मस्जिदों पर क्या कार्रवाई कर रही है जिन्होंने आज सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन किया है। पुलिस केवल हमारे कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई कर रहे ही। हम देख रहे हैं कि कोर्ट ने जैसे कहा है वैसे कार्रवाई हो रही है या नहीं। या सिर्फ हमारे ऊपर कार्रवाई होगी।

हिरासत में मनसे के 250 से ज्यादा कार्यकर्ता: उधर, पुलिस ने बुधवार को मनसे के 250 से ज्यादा कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। पुलिस ने बताया कि ये कार्यकर्ता मस्जिदों के आस-पास लाउडस्पीकर से हनुमान चालीसा का पाठ करने की कोशिश कर रहे थे।

लाउडस्पीकर विवाद के पीछे भाजपा का हाथ: उधर, शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा कि यह सिर्फ मस्जिदों में लाउडस्पीकर के बारे में नहीं है। महाराष्ट्र में सुबह-सुबह आरती की जाती है और लोग अक्सर लाउडस्पीकर के माध्यम से उन्हें सुनते हैं क्योंकि वे सभी मंदिर परिसर में प्रवेश नहीं कर सकते हैं, लेकिन आज ऐसा नहीं हो सकता, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। महाराष्ट्र में लाउडस्पीकर विवाद के पीछे बीजेपी का हाथ है। वे राज्य में हिंदुओं के बीच दरार पैदा करने के लिए राज ठाकरे का इस्तेमाल कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

सीमा सुरक्षा बल अकादमी टेकनपुर में राष्ट्रव्यापी पेंशन अदालत 5 मई को

भोपाल। चार राज्यों राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ से सीमा सुरक्षा बल के सेवानिवृत्त पेंशन भोगी एवं पारिवारिक पेंशन भोगियों की पेंशन संबंधी शिकायत एवं उनके निवारण के लिये एक राष्ट्रव्यापी पेंशन अदालत 5 मई को सीमा सुरक्षा बल अकादमी टेकनपुर जिला ग्वालियर में लगेगी। राष्ट्रव्यापी पेंशन अदालत में श्री दिनेश कुमार शर्मा उप कमाण्डेंट सीमा सुरक्षा बल अकादमी को नोडल ऑफिसर नियुक्त किया गया है। सीमा सुरक्षा बल के पेंशन भोगी एवं पारिवारिक पेंशन भोगी पेंशन अदालत के सम्बंध में किसी प्रकार के प्रश्न के समाधान के लिए नोडल ऑफिसर के मोबाईल नम्बर 7976043259 पर सम्पर्क कर सकते हैं। साथ ही सीमा सुरक्षा बल के सेवानिवृत्त कार्मिक अपनी समस्याएँ लिखित रूप से भी उक्त मोबाईल नम्बर पर प्रेषित कर सकते हैं।

प्रदेश में एमडी होम्योपैथी ऑनलाइन कॉउंसलिंग का अंतिम चरण

भोपाल। आयुष संचालनालय द्वारा एमडी होम्योपैथी ऑनलाइन कॉउंसलिंग कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। कॉउंसलिंग, राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार एमपी ऑनलाइन के माध्यम से होगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रिक्त सीटों की जानकारी 4 मई, 2022 को प्रदर्शित की जायेगी। इसके साथ ही अभ्यर्थी 4 और 5 मई तक च्वाइस फिलिंग कर सकेंगे। होम्योपैथी महाविद्यालय में सीट आवंटन की प्रक्रिया 9 मई प्रात 11 बजे से प्रारंभ होगी। चयनित अभ्यर्थी संबंधित महाविद्यालयों में प्रवेश के लिये 9 मई दोपहर 12 से 10 मई शाम 5 बजे तक प्रवेश संबंधी प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। कॉउंसलिंग प्रक्रिया में प्रदेश के सरकारी और निजी होम्योपैथी महाविद्यालयों को शामिल किया गया है। अभ्यर्थियों को जानकारी दी गई है कि च्वाइस फिलिंग में एडिट ऑप्शन उपलब्ध नहीं है। अत अभ्यर्थी सोच-समझकर अपनी च्वाइस लॉक करें। कॉउंसलिंग के संबंध में अन्य आवश्यक जानकारी विभागीय वेबसाइट www.ayush.mp.gov.in एवं एम.पी. ऑनलाइन के पोर्टल पर उपलब्ध कराई गई है।

30 साल बाद चैन की नींद सोएगा यह शख्स

खर्राटे सोने नहीं देते थे, भोपाल एम्स के डॉक्टरों ने राई बराबर खिसकाया जबड़ा

भोपाल

खर्राटे की समस्या आम है। हर परिवार में कोई न कोई सदस्य सोते वक्त खर्राटे लेता है, लेकिन यह कोई आम समस्या नहीं बल्कि स्लीप एपनिया और हाइपनिया जैसी गंभीर बीमारी है। जिसमें सोते वक्त ऑक्सीजन सप्लाई पाइप बाधित होने के कारण सांस रुकने लगती है। एम्स के डॉक्टरों ने हाल ही में एक ऐसे ही मरीज की सर्जरी की है, जो खर्राटों के कारण बीते 30 सालों से दो घंटे भी नहीं सो पा रहा था। एम्स के डॉक्टरों ने बताया कि भोपाल के कटारा हिल्स में रहने वाले 38 साल के युवक को बचपन से ही नींद में सांस अटकने और खर्राटे लेने की बीमारी थी। कई डॉक्टरों को दिखाने के बाद जब समस्या ठीक नहीं हुई तो युवक ने एम्स की स्लीप स्टडी लैब में दिखाया। यहां जांच के बाद पता चला कि युवक के निचले जबड़े में जन्म से विकार के चलते नींद में परेशानी आ रही है। इसके बाद डॉक्टरों ने जांच करने के बाद उसके जबड़े की सर्जरी की।

जबड़े से दब रही थी सांस की नली:- एम्स के मैक्सिलोफैशियल सर्जन डॉ. अंशुल राय ने बताया कि मरीज की स्लीप स्टडी की गई। जिसमें गंभीर एपनिया, हाइपनिया पाया गया। इलाज के लिए मरीज को स्लीपिंग डिवाइस लगाई गई, लेकिन इससे भी मरीज को कोई फायदा नहीं हुआ। इसके बाद मरीज का सेफैलोमेट्रिक टेस्ट किया गया। जिसमें निचला जबड़ा विकृत पाया गया। इस कारण इसे ऑब्स्ट्रेक्टिक हाइपनिया है। फिर सर्जरी कर जबड़े को 1 स्रू आगे किया गया। जिससे सोते वक्त ऑक्सीजन पाइप ब्लॉक होने की समस्या से आराम मिल गया।

डॉ. अंशुल राय ने बताया कि मरीज का निचला जबड़ा अपेक्षाकृत छोटा और पीछे की तरफ ?खिसका हुआ था। इससे उसका एयर-वे यानी सांस की नली दब रही थी। सांस की नली का मुंह छोटा होने के कारण सांस लेने में तकलीफ होती थी। जांच के बाद मरीज के निचले जबड़े की ऑर्थोगनेथिक सर्जरी कर सही जगह पर फिट किया गया। चिकित्सीय भाषा में इसे मैंडिबल के बाइलेटरल सैजिटल स्प्लिट ओस्टियोटॉमी कहा जाता है। ऑपरेशन के कुछ दिन बाद जब मरीज का स्लीप एपनिया टेस्ट किया गया तो स्कोर 70 प्रतिशत तक कम पाया गया।

इसलिए थी समस्या

एम्स के डॉ. अंशुल राय बताते हैं कि यह सेंसेशन ऑफ ब्रीदिंग डिसॉर्डर है। इससे मरीज को सोने में परेशानी होती है और सोते समय ऑक्सीजन की कमी होने लगती है। इसी वजह से सोने के एक से डेढ़ घंटे में ही नींद खुल जाती है। ऑक्सीजन सप्लाई पाइप दबने लगता है। इस मरीज का एक साल से एम्स में इलाज चल रहा है। स्लीप लैब में की गई स्टडी में ये पाया गया था कि मरीज को हाइपनिया इंडेक्स सीवियर स्टेज में है। मरीज की उम्र 38 साल है। उसने 30-35 साल से अच्छी नींद नहीं ली। इसे पहले बाहरी उपकरण से ठीक करने की कोशिश की, लेकिन आराम नहीं मिला।

इसी बीमारी से हुई थी बप्पी लहरी की मौत

डॉक्टरों ने बताया कि मशहूर गीतकार और संगीतकार बप्पी लहरी की मौत भी ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया के कारण हुई थी। वे एक साल से इस समस्या से पीड़ित थे, लेकिन समय पर सही इलाज न होने के कारण उनकी मौत हो गई थी। डॉक्टरों का कहना है कि खर्राटों के कारण नींद न आने की समस्या को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

प्रदेश में आयुष के क्षेत्र में निरंतर अनुसंधान एवं शोध की जरूरत

भोपाल। प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में प्राचीन चिकित्सा पद्धति की लम्बी परम्परा रही है। प्राचीन चिकित्सा पद्धति में उपयोग में लाई जाने वाली वनौषधि में अभी भी निरंतर शोध किये जाने की जरूरत है। साथ ही इन्हें राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणीकरण दिलाये जाने की भी आवश्यकता है। इसके लिये जरूरी है कि युवा आयुष के क्षेत्र में प्रभावी अनुसंधान करें। उनके अनुसंधान में राज्य सरकार की ओर से किस तरह मदद की जा सकती है, इसी मकसद से पीएच.डी. कोलोक्वियम का आयोजन किया गया है। यह विचार आज आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी में अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन संस्थान के सलाहकार डॉ. अभिषेक भगत ने व्यक्त किये। संगोष्ठी में प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों से जुड़े रिसर्च स्कॉलर्स ने अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किये। शोध-पत्र में प्रमुख रूप से ओरल कैंसर, प्लास्टिक के अत्यधिक उपयोग के कारण होने वाले दुष्प्रभाव, निमोनिया में हर्बल औषधि के उपयोग जैसे विषयों की प्रस्तुति दी गई। विषय-विशेषज्ञों ने बताया कि कोरोना काल में प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिये आयुर्वेद औषधियों का जन-सामान्य ने अधिक से अधिक उपयोग किया। विशेषज्ञों का कहना था कि आयुष पद्धति की औषधियों के निरंतर प्रयोग के बावजूद इसके कोई साइड इफेक्ट शरीर पर नहीं पड़ते हैं। संगोष्ठी में अध्यक्ष के रूप में आरजीपीव्ही कॉलेज की डॉ. दीप्ति जैन, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी डॉ. रूबी खान, रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की डॉ. प्रज्ञा श्रीवास्तव ने शोधकर्ताओं को उनके रिसर्च पेपर पर महत्वपूर्ण सुझाव दिये।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से मुख्यमंत्री निवास पर सीहोर की महिला स्व-सहायता समूह की सदस्यों ने भेंट की।

मुख्यमंत्री चौहान ने स्मार्ट सिटी उद्यान में मौलश्री और करंज के पौधे लगाए

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने वरिष्ठ समाजसेवी श्री बृजेश लुणावत की स्मृति में उनके परिजन तथा मित्रों के साथ स्मार्ट सिटी उद्यान में मौलश्री और करंज का पौधा लगाया। मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ साकेत विकास जन-कल्याण समिति के कार्यकर्ताओं सर्वश्री रतन भट्टाचार्य, प्रकाश श्रीवास्तव, अशोक वर्मा और अनिल वाणी ने भी गुलमोहर का पौधा रोपा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्व. श्री बृजेश लुणावत का स्मरण करते हुए कहा कि उनके सद्कार्य और स्मृतियाँ हम सबके मन मस्तिष्क में चिरंजीवी रहेगी। उल्लेखनीय है कि श्री बृजेश लुणावत का गत वर्ष कोरोना संक्रमण के कारण अवसान हो गया था। पौध-रोपण के मौके पर उनकी पत्नी श्रीमती स्मिता लुणावत, पुत्री कुमारी मुस्कान लुणावत, भ्राता डॉक्टर शैलेश लुणावत, भतीजे डॉक्टर सार्थक लुणावत सहित मित्रगण सम्मिलित हुए।

भोपाल में बैंक ऑफ इंडिया में आग लगी : एसी, कंप्यूटर और रिकॉर्ड जला, पुलिस ने खुलवाए ताले; तब बुझाई

भोपाल

भोपाल के मारवाड़ी रोड स्थित बैंक ऑफ इंडिया ब्रांच में देर रात आग लग गई। इससे एसी, कंप्यूटर और पुराना रिकॉर्ड जल गया। रिकॉर्ड फर्स्ट फ्लोर पर रखा था। फायर ब्रिगेड ने खिड़कियों से पानी डालकर आग पर काबू पाया। पुलिस और बैंककर्मियों के बाद आने के बाद बैंक के ताले खुले। इसके बाद अंदर से भी आग बुझाई गई। बैंक की बिल्डिंग से धुआं उठते देख लोगों ने तुरंत पुलिस को और फिर फायर स्टेशन पर सूचना दी। फतेहगढ़-पुल बोगदा से फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू

पाया। फायर फाइटर मनीष श्रीवास्तव ने बताया, बैंक के फर्स्ट फ्लोर पर पुराना रिकॉर्ड रखा था, जो जल गया। इसके अलावा एसी, कंप्यूटर और फर्नीचर भी जला है। खिड़कियों के जरिए आग पर काबू पाने की कोशिश की गई। पुलिस और बैंककर्मियों के पहुंचने के बाद अंदर से आग बुझाई गई। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

शार्ट सर्किट की यह बताई वजह

प्रारंभिक जांच में शार्ट सर्किट से आग लगने की जानकारी सामने आई है। आग से करीब ढाई लाख रुपए का नुकसान होना भी बताया जा रहा है। पुलिस जांच में जुटी है।

ये फॉरेन नहीं भोपाल के फव्वारे : म्यूजिकल फाउंटेन पर होगा शो, सेल्फी पाइंट से फ्री में देख सकेंगे; अभी टेस्टिंग

भोपाल

ये किसी फॉरेन नहीं बल्कि भोपाल के बड़ा तालाब के फव्वारे का ङ्कद्धश्चश्वह्र है। बीआईपी रोड पर सेल्फी पाइंट के ठीक सामने म्यूजिकल फाउंटेन शुरू होगा। अभी टेस्टिंग चल रही है। इस फाउंटेन पर वाटर स्क्रीन बनेगी और प्रोजेक्टर के जरिए कोई भी फिल्म देखी जा सकेगी। केबल स्टे ब्रिज के फाउंटेन और म्यूजिकल फाउंटेन की लागत 5 करोड़ रुपए आई है। लोग सेल्फी पाइंट से फ्री में म्यूजिकल शो देख सकेंगे। यह बड़ा तालाब की खूबसूरती और भी बड़ा देगा। केबल स्टे ब्रिज (भोज सेतु) फाउंटेन की टेस्टिंग पहले ही हो चुकी है। अब म्यूजिकल फाउंटेन की टेस्टिंग

चल रही है। 1 जून को भोपाल के गौरव दिवस पर फाउंटेन की शुरुआत की जाएगी। उद्घाटन से के बाद फाउंटेन पानी में कैसे नजारे बनाएगा।

- ➩फाउंटेन के 60 नोजल के जरिए 40 फीट बाय 60 फीट यानी 2400 वर्ग फीट की वाटर स्क्रीन बनेगी।

वाटर स्क्रीन पर प्रोजेक्टर के जरिए कोई भी फिल्म देखी जा सकेगी।

- ➩स्मार्ट सिटी कंपनी म्यूजिकल फाउंटेन लगा रही है।
- ➩म्यूजिकल फाउंटेन को सेल्फी प्वाइंट से देखने की अनुमति होगी।
- ➩फाउंटेन शो निःशुल्क रहेगा।
- ➩1 जून को शुरू करने का टारगेट है। इस दिन भोपाल का गौरव दिवस भी मनेगा।
- ➩केबल स्टे ब्रिज का फाउंटेन भी शुरू होगा। इसकी टेस्टिंग तीन महीने पहले ही पूरी हो चुकी है। दोनों फाउंटेन की लागत 5 करोड़ रुपए है।
- ➩केबल स्टे ब्रिज पर फाउंटेन की लंबाई 110 मीटर है।
- ➩इसमें 126 नोजल है।
- ➩इस फाउंटेन में कंप्यूराइज्ड फसाड लाइट का उपयोग हुआ है।
- ➩फाउंटेन में पानी टू डी और थ्री डी नोजल के जरिए पहले ब्रिज तक आता है, फिर वापस तालाब में जाता है।

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
मध्य भारत का एक विश्वसनीय दैनिक
2018 में स्थापित | 98 26 22 00 22

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात आपके साथ

एक्शन में सीएम भूपेश बघेल, सीएमओ सस्पेंड

बलरामपुर के कुसमी में गरीबी रेखा से नाम कटने की शिकायत मिली, मुख्यमंत्री ने की तुरंत कार्रवाई

रायपुर। प्रदेश के विधानसभा क्षेत्रों के दौरे पर निकले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का एक्शन शुरू हो गया है। दौरे की शुरुआत ही कार्रवाई से हुई है। बलरामपुर जिले के कुसमी में एक महिला के गरीबी रेखा से नाम काटे जाने की शिकायत मिली। इस पर मुख्यमंत्री ने नगर पंचायत अधिकारी को तत्काल निलंबित करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री के कहते ही रायपुर से निलंबन का आदेश भी जारी हो गया।

मुख्यमंत्री का हेलिकॉप्टर दोपहर में बलरामपुर जिले के कुसमी में उतरा। इस दौरान उन्होंने शासकीय उचित मूल्य की दुकान का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने दुकान संचालक का रजिस्टर देखकर स्टॉक का मिलान किया। वहीं राशन लेने आए लोगों से भी इसकी पूरी जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने खुद राशन तौलकर वहां आए लोगों को वितरित किया। इस दौरान शशिकला नाम की एक महिला ने गरीबी रेखा से उसका नाम काटे जाने की शिकायत की। उसने बताया, उसके पास कमाई का निश्चित जरिया नहीं है। वह राशन कार्ड के लिए भटक रही है। शिकायत पर फौरन कार्रवाई करते हुए मुख्यमंत्री ने कुसमी नगर पंचायत के सीएमओ को सस्पेंड करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा, लगातार हिदायत के बावजूद भी अगर जनता को परेशान होना पड़ेगा तो कार्यवाई निश्चित है, इतना समझ लें। मुख्यमंत्री के निर्देश के आधे घंटे के भीतर ही नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी एसके दुबे को निलंबित करने का आदेश जारी कर दिया।

मंदिरों में पूजा की, कुसमी थाने का निरीक्षण किया

बलरामपुर के कुसमी पहुंचने पर सामरी विधायक चिंतामणि महाराज और दूसरे जनप्रतिनिधियों ने पॉपकॉर्न की माला पहनाकर उनका स्वागत किया। वहां से मुख्यमंत्री का काफिला सीधे कुसमी थाने पहुंचा। थाना परिसर में स्थित श्री राम-जानकी मंदिर में मुख्यमंत्री ने पूजा-अर्चना कर पहले दिन के दौरे की शुरुआत की। बाद में उन्होंने थाने का निरीक्षण किया और पुलिस कर्मियों के परिवार से मुलाकात की। उन्होंने पुलिस कर्मियों के बच्चों को चॉकलेट बांटी। मुख्यमंत्री ने शिव मंदिर पहुंचकर भी पूजा-अर्चना की है।

स्वामी आत्मानंद स्कूल भी गए

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल वहां से स्वामी आत्मानंद स्कूल गए। वहां उन्होंने विशेष रूप से बुलाए गए बच्चों से बात की। बच्चों से पढ़ाई, परीक्षा और प्रवेश प्रक्रिया के बारे में जानकारी ली।

आम के पेड़ तले लगी चौपाल

बाद में मुख्यमंत्री कुसमी के वार्ड-2 स्थित एक आम के पेड़ के नीचे पहुंचे। यहां चौपाल की व्यवस्था थी। वहां लोगों की मांग पर मुख्यमंत्री ने कुसमी-सामरी-बलरामपुर मार्ग पर कंठी घाट के पास 8 किलोमीटर सड़के डामरीकरण की घोषणा की। वहां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नई तकनीक के एक्सरे मशीन और आईटीआई में नया ट्रेड शुरू करने की भी घोषणा हुई। मुख्यमंत्री ने कुसमी में आलू, टाऊ और मिर्ची के प्रसंस्करण के लिए प्लांट लगाने की भी घोषणा की है।

शंकरगढ़ में भी लगी चौपाल

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल शंकरगढ़ पहुंचे। यह उनके दौरे का दूसरा मुकाम था। शंकरगढ़ में उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। पोषण पुनर्वास और एनआरसी का जाकर व्यवस्था देखी। यहां पहुंचकर मरीजों और उनके परिजनों से चर्चा कर समस्या पूछी। मुख्यमंत्री ने बीएमओ से रोजाना की ओपीडी और मरीजों की जांच के लिए जरूरी मशीनो आदि की जानकारी ली। उन्होंने डॉक्टरों को बाहर से दवाइयां नहीं लिखने का निर्देश दिया। बाद में उन्होंने भेंट मुलाकात कार्यक्रम के तहत चौपाल लगाकर लोगों की समस्या सुनी। सरकार की कुछ योजनाओं की जानकारी साझा की। इस दौरान यूक्रेन से वापस लौटे एक छात्र शुभआशीष मिश्र ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर धन्यवाद कहा।

बरियो में सेल्फी लेने वालों में होड़

शाम को मुख्यमंत्री का हेलिकॉप्टर सामरी विधानसभा के ही तीसरे गांव बरियो में उतरा। यहां स्थानीय लोक नर्तक दलों ने उनका स्वागत किया। हेलीपैड पर स्वागत करने पहुंचे आम लोगों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में मुख्यमंत्री के साथ सेल्फी लेने की होड़ देखी गई। मुख्यमंत्री ने भी काफी सहज भाव से युवाओं को सेल्फी लेने दिया। बाद में वे स्थानीय लोगों, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से भी मिले।

स्वास्थ्य मंत्री ने किया दंतेवाड़ा जिला अस्पताल का निरीक्षण, बोले- मेरी मंशा सिर्फ काम करने की

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज से विधानसभा क्षेत्रों के दौरे पर हैं और आज से ही स्वास्थ्य मंत्री ~~टीएस सिंहदेव भी निरीक्षण पर है~~। बघेल ने अपने दौरे की शुरूआत सिंहदेव के क्षेत्र से की है तो सिंहदेव ने बस्तर के दंतेवाड़ा में अपना पहला निरीक्षण किया। उन्होंने यहां जिला अस्पताल का दौरा किया। दवाओं की एक्सपायरी डेट देखी, मरीजों-डाक्टरों से बात की और साफ-सफाई की व्यवस्था ठीक नहीं होने पर नाराजगी जताई। इसी दौरान पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और वे खुद लोगों के बीच जा रहे हैं जिससे जनता की बेहतरी के लिए काम किया जा सके। हमारी मंशा सिर्फ काम करने की है।

दंतेवाड़ा पहुंचकर टीएस सिंहदेव ने बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के दर्शन किए। फिर जिला अस्पताल का निरीक्षण करने के लिए पहुंच गए। यहां दवाइयों की एक्सपायरी डेट्स देखी। मरीजों से बातकर समस्या जानी। साथ ही पूरे अस्पताल की व्यवस्थाओं के बारे में जाना। इसके बाद मीडिया से बात की।

आज से ही दौरा मुख्यमंत्री और उनका दौरा एक साथ शुरू हो रहा है इसे लेकर विपक्ष कई तरह की बातें कर रहा है के सवाल पर उन्होंने कहा कि मेरे ख्याल से सारे मंत्री दौरा करते हैं। यदि हम लोग कुछ करते हैं तो वे इसे दूसरे नजर से देखते हैं। यदि मैं दौरा न करूं तो यह होगा कि मंत्री बैठा हुआ है। मुख्यमंत्री जी दौरा न करें तो कहेंगे कि वे दौरा नहीं करते। क्षेत्र का दौरा करना हमारे लिए लाजमी है और हमारी प्राथमिक जवाबदारी भी है। स्वास्थ्य कारणों से मैं दौरा नहीं कर पाया था। ये संयोग हुआ कि उनका भी दौरा इसी समय निकल रहा है और मेरा भी। अंततः काम तो एक ही है, लोगों के बीच जाकर उनकी बातें सुनना।

बीजापुर के कांग्रेस नेता और युवा आयोग के सदस्य अजय सिंह के अपने ही विधायक पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाने और उनके निष्कासन पर टीएस ने कहा कि मेरे खिलाफ भी एक विधायक का बयान आया था कि मुझे जान का खतरा है। पर यह मामला एक अलग तरीके से डील हुआ था। कोई पार्टी से निष्कासित नहीं हुआ। यह जरूरी नहीं है कि किसी पर एक्शन हो जाए तो उसके लिए दरवाजे बंद हो गए हों। अपील के भी प्रावधान होते हैं। विधायक पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाने वाली बात पर टीएस सिंहदेव ने कहा कि सब को अपनी मर्यादा और संयम का ख्याल रखना चाहिए। यदि कोई बात हुई है तो आगे भी परिस्थितियां खुली रहेंगी। मीडिया ने दंतेवाड़ा में मेडिकल कॉलेज खुलने से बीजापुर, सुकमा और दंतेवाड़ा इन तीन जिलों के लोगों को फायदा मिलने की बात कही इसके बाद स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मेडिकल कॉलेज के लिए राशि देने का प्रावधान केंद्र सरकार का होता है। ष्ट्त में अभी 3 नए मेडिकल कॉलेज बन रहे हैं। एक कॉलेज के पीछे लगभग 325 करोड़ रुपए का खर्च हो रहा है। कवर्धा और जांजगीर चांपा में 2 और मेडिकल कॉलेज खोलने की सरकार की तरफ से पहल हो गई है। उसी तर्ज पर दंतेवाड़ा में भी संभावना है।

दो बाइक चोरी गिरफ्तार

बिलासपुर । नगर सहित क्षेत्र में लगातार चोरी के मामले में तखतपुर पुलिस कार्रवाई कर रही दो बाइक चोर को पकड़ा गया। तखतपुर पुलिस के अनुसार मुखबिर चोरी की बाइक खरीदी बिक्री की जानकारी मिलने पर पुलिस ने इसकी जानकारी एसडीओपी आशीष अरोरा को दिया। उनके नेतृत्व में तखतपुर थाना प्रभारी मोहन भारद्वाज ने टीम गठित किया और भाड़ाम, थाना कोटा के राजेंद्र साहू पिता भरत लाल साहू (38) के घर में छापा मारकर आरोपित को पकड़ा। आरोपित ने राजपुर निवासी करण लहरे पिता स्व. धनाराम लहरे (33) के पास चोरी की मोटरसाइकिल बेचने की बात कही। पुलिस ने आरोपित करण लहरे को भी गिरफ्तार कर दोनों आरोपित को तखतपुर थाना लाया। आरोपित के पास से चोरी की चार मोटर साइकिल जब्त किया गया।

आरोपित ने बाइक नगर सहित क्षेत्र के अलग-अलग गांव से बाइक चोरी किया था। दोनों के खिलाफ आइपीसी की धारा 4 1 (1 - 4), 379, 411 के तहत मामला दर्ज कर जेल भेज दिया है। टीम में मोहन भारद्वाज, प्रधान आरक्षक अशोक कश्यप, आरक्षक ओंकार सिंह, मोहन कोर्राम शामिल रहे।

सड़क हादसे में घायल बीजेपी नेता की एक और बेटी की हुई मौत

बिलासपुर। तेज रफ्तार पिकअप चालक ने भारतीय जनता युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष की दो जुड़वा बेटियों को टक्कर मार दी थी। इसमें एक बेटी की मौके पर ही मौत हो गई थी। दूसरी बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई थी। 11 दिनों तक अपोलो अस्पताल में इलाज चला। इलाज के दौरान दूसरी बेटी की भी मौत हो गई। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है। टीआइ परिवेश तिवारी ने बताया कि तोरवा क्षेत्र के देवरीखुर्द स्थित पंचायत भवन के पास रहने वाले मिथिलेश सिंह की शगुन और पलक जुड़वा बेटी थीं। शगुन सिंह (16) 10 वीं कक्षा में पढ़ती थी। बीते 23 अप्रैल को वह अपनी जुड़वा बहन पलक सिंह के साथ ट्यूशन पढ़कर सरकंडा से राजकिशोर नगर से एक्टिवा से घर लौट रही थी। दोनों बहनें राजकिशोर नगर के ऊर्जा पार्क मोड़ के पास पहुंची थी। इसी दौरान तेज रफ्तार पिकअप चालक ने एक्टिवा को टक्कर मार दी। घटना के दिन घायल शगुन की मौत हो गई थी। पलक सिंह को अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 11 दिनों तक पलक सिंह जिंदगी और मौत से संघर्ष कर रही थी। लेकिन सिर पर गंभीर चोट लगने के कारण दवा का असर नहीं किया। मंगलवार की शाम को अपोलो अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इलाज करने वाले डाक्टर ने जांच करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस महानिरीक्षक और रायपुर एसएसपी ले रहे अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों की मीटिंग

रायपुर। पुलिस महानिरीक्षक और वरिस्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों की मीटिंग ली जा रही है.

दो शातिर चोर गिरफ्तार : पुलिस के मुताबिक प्रार्थी नीलेश जादवानी ने थाना मौदहापारा में रिपोर्ट दर्ज कराया कि थाना मौदहापारा क्षेत्रांतर्गत जवाहर नगर में उसका फर्म संजय इंटरप्राईजेस के नाम से लाडो अपार्टमेंट के सामने दुकान में स्थित है। प्रार्थी दिनांक 26.03.2022 की रात्रि लगभग 09.00 बजे दुकान को बन्द करके घर चला गया था कि प्रार्थी दिनांक 27.03.2022 को प्रातः 11.00 बजे दुकान आया तो देखा दुकान के सामने का चैनल गेट खुला हुआ था तथा शटर का ताला टूटा हुआ था अंदर जाकर देखा तो गल्ले में रखा हुआ नगदी रकम तथा 02 नग मोबाईल फोन चोरी कर ले गया। जिस पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना मौदहापारा में अपराध क्रमांक 51/22 धारा 457, 380 भादवि. का अपराध पंजीबद्ध किया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एवं सायबर यूनिट तथा थाना मौदहापारा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण कर घटना के संबंध में प्रार्थी सहित आसपास के लोगों से विस्तृत पूछताछ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा घटना स्थल व उसके आसपास लगे सी.सी.टी.व्ही. कैमरों के फुटेजों का अवलोकन करने के साथ ही प्रकरण में मुखबीर भी लगाये गये। टीम के सदस्यों द्वारा तकनीकी विश्लेषण के माध्यम से भी अज्ञात आरोपी की पहचान सुनिश्चित करने के प्रयास किये जा रहे थे। इसी दौरान टीम के सदस्यों को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि वाल्मिकी नगर कबीर नगर निवासी शातिर चोर रमेश महानंद को घटना स्थल के आसपास एक व्यक्ति के साथ दोपहिया वाहन में संदिग्ध अवस्था में देखा गया था। जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा रमेश महानंद की पतासाजी कर पकड़ा गया। रमेश महानंद से चोरी की घटना के संबंध में पूछताछ करने पर उसके द्वारा किसी भी प्रकार से घटना अपनी संलिप्तता नहीं होना बताकर लगातार टीम को गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा था, जिस पर प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर कड़ाई से पूछताछ करने पर रमेश महानंद द्वारा अपने साथी राहुल रक्सेल के साथ मिलकर चोरी की उक्त घटना को कारित करना स्वीकार किया गया। जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा घटना में संलिप्त राहुल रक्सेल को भी पकड़ा गया। चोरी की अन्य घटनाओं के संबंध में पूछताछ करने पर आरोपियों द्वारा थाना मौदहापारा क्षेत्रांतर्गत जवाहर नगर स्थित स्वास्तिक इंटरप्राईजेस एवं वैभव लाईट दुकान का भी ताला तोड़कर चोरी करने का प्रयास करना करना बताया गया है।

दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की नगदी 6,980/- रूपये, 02 नग मोबाईल फोन एवं घटना में प्रयुक्त एक्टिवा वाहन जुमला कीमती लगभग 70,000/- रूपये जप्त कर आरोपियों के विरूद्ध अग्रिम कार्यवाही किया गया।

महिलाओं ने शासन को मान-सम्मान और मदद मिलने पर दिया धन्यवाद

वृंदावन गौठान के रूरल इंडस्ट्रियल पार्क में तब्दील होने की दास्तां अनोखी

वृंदावन रसोई है कुछ खास

- गर्मी के दिनों में यहाँ मिट्टी के थर्मस के पानी से मिल रही ठंडक
- वृंदावन रसोई में चीला, भजिया, फरा, गुलगुला भजिया, बड़ा मुंगोड़ा छश्रीसगढ़ी व्यंजन की श्रृंखला उपलब्ध
- आर्डर पर समूह की महिलाएं बना रही छश्रीसगढ़ी व्यंजन
- समूह की महिलाएं गुरु गोपी चंदन एवं गोपीचंदन टिकिया पूजा के लिए कर रही निर्माण
- कुमकुम पैकेजिंग कार्य, अगरबत्ती निर्माण एवं मशरूम उत्पादन का कार्य भी जारी

राजनांदगांव। मेहनतकश महिलाओं ने एक सपना देखा आर्थिक सशक्तिकरण और स्वावलंबन काआंखों में उम्मीदों के जुगनू झिलमिलाते हैं, तब हौसलों के दम पर वक्त जगमगाते हैं। ग्राम अंजोरा के वृंदावन गौठान की मेहनतकश महिलाओं ने एक सपना देखा आर्थिक सशक्तिकरण और स्वावलंबन का। उनके सपनों को परवाज मिली शासन की सुराजी गांव योजना से। जैसे- जैसे वक्त बीता समूह की महिलाओं की कोशिशों ने रफ्तार पकड़ी। जिला प्रशासन के प्रयासों से गणेश गुलाल प्राईवेट लिमिटेड से अनुबंध कर गुलाल, चंदन, कुमकुम, अगरबश्री निर्माण का कार्य व्यापक पैमाने पर प्रारम्भ किया गया। वृंदावन गौठान के रूरल इंडस्ट्रियल पार्क में तब्दील होने की यह दास्तां अनोखी है। 26 एकड़ में विस्तृत गौठान प्रदेश का सबसे बड़ा गौठान है।

तपती गर्मी में यहाँ मिट्टी के थर्मस के पानी से ठंडक और सुकून का एहसास हो रहा है। छश्रीसगढ़ की मोहक संस्कृति से सुसजित रसोई में ढेंकी, जाता, नांगर, कलारी, दतारी, हसियां, रापा, गैती, फावड़ा एवं कलाकृतियों की झांकी है। शहरवासी ग्रामीण परिवेश में बने यहाँ के कुल्हड़ में मिली चाय का आनंद ले सकते हैं। आर्डर पर समूह की महिलाएं छश्रीसगढ़ी व्यंजन चीला, भजिया, फरा, गुलगुला भजिया, बड़ा, मुंगोड़ा बना रही हैं। जय बाबा कुटी समूह की माधुरी, अनिता ने बताया कि रसोई को इस तरह से बनाना चाहते हैं कि यहां शहर के लोग आकर जन्मदिन की पार्टी भी मना सके।

जयबाबा कुटी समूह की महिलाएं गुरू गोपी चंदन एवं गोपीचंदन टिकिया पूजा के लिए बना रही है। श्री गणेश गुलाल प्राईवेट लिमिटेड से अनुबंध कर यहां कार्य प्रारंभ किया गया है। महिलाएं पैकेजिंग का कार्य भी सफलतापूर्वक कर रही हैं। समूह की श्रीमती लोकेश्वरी निर्मलकर ने बताया कि यहां कार्य करने से बहुत परिवर्तन आया है और घर की माली स्थिति में सुधार हुआ है। कार्य के लिए भटकना नहीं पड़ता, गौठान में रहकर कार्य करने से घर का खर्च अच्छी तरह से चल रहा है। वहीं घर की जिम्मेदारी भी अच्छी तरह निभा पा रही है। जिससे परिवार के लोग खुश है। उन्होंने कहा कि भविष्य में कुछ ऐसा कार्य करना चाहते हैं जिससे समूह की महिलाओं की एक विशेष पहचान बने। कई महिलाएं तो पहली बार घर की चारदीवारी से बाहर निकलकर कार्य कर रही हैं। यह एक अलग अच्छा और अनुभव है वहीं आर्थिक रूप से मजबूत होने की खुशी है।

शासन द्वारा महिलाओं को मान-सम्मान और मदद मिली है। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल, जिला प्रशासन तथा गणेश गुलाल प्राईवेट लिमिटेड को धन्यवाद कहा। गौठान में ही कुमकुम, जीवन योति गजी का पैकेजिंग कार्य, अगरबश्री निर्माण एवं मशरूम उत्पादन का कार्य भी जारी है।

सफाईकर्मी हड़ताल पर , वेतन नहीं मिलने से है नाराज

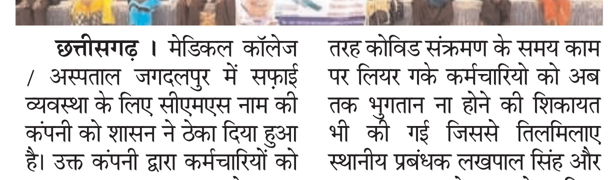

छत्तीसगढ़ । मेडिकल कॉलेज / अस्पताल जगदलपुर में सफ़ाई व्यवस्था के लिए सीएमएस नाम की कंपनी को शासन ने ठेका दिया हुआ है। उक्त कंपनी द्वारा कर्मचारियों को शासन द्वारा तय न्यूनतम वेतनमान नही दिया जाता है और अनिवार्य साप्ताहिक अवकाश से भी उन्हें वंछित रखा गया है। इस बात की शिकायत जब श्रम अधिकारी से कर्मचारियों ने किया तब कंपनी प्रबंधन ने दबाव बनाने के अनेको प्रयास किए, लेकिन अपनी मांग पर डटे रहने वाले कर्मचारियों का मनोबल कमज़ोर नही कर पाए। महिला कर्मचारियों द्वारा सामूहिक रूप से कामगार सभा के नेतृत्व में किसी को 04 माह तो किसी को 12 माह का वेतन नही देने की श्रम विभाग में शिक़ायत की गई थी। इसी तरह कोविड संक्रमण के समय काम पर लियर गके कर्मचारियो को अब तक भुगतान ना होने की शिकायत भी की गई जिससे तिलमिलाए स्थानीय प्रबंधक लखपाल सिंह और श्रवण भास्कर ने 20 से अधिक कर्मचारियों को बिना वेतन दिए ही किसी पूर्व सूचना के बगैर ही सेवा से बेदखल कर दिया है। इस बात से नाराज़ मेडिकल कॉलेज/अस्पताल में सफ़ाई व्यवस्था संभालने वाले 200 के लगभग महिला सफ़ाई कर्मचारियों ने प्रबंधन को कार्यालय पर मैनेजर के उपस्थित न होने की स्तिथि में मौखिक रूप से 48 घंटे के भीतर भुगतान करने व कर्मचारियों को वापस काम में लेने के लिए चेतावनी देते हुए काम बंदी करके सामूहिक रूप से हड़ताल की जाने की बात कही थी।

संपादकीय

इंसानी बीज बैंक

पृथ्वी पर लगातार खतरे मंडराते रहते हैं। हर साल हजारों की संख्या में उल्का पिंड पृथ्वी की ओर आते हैं और कभी-कभी वैज्ञानिकों को भी खतरा महसूस होने लगता है। उल्का से पैदा खतरे से निपटने के लिए वैज्ञानिक तरीके भी खोजते रहे हैं। नासा की सोच रही है कि क्या परमाणु हथियारों के दम पर किसी खतरनाक उल्का पिंड को पृथ्वी से टकराने से पहले ही नष्ट किया जा सकता है? क्या उल्का पिंड की दिशा को रॉकेट बूस्टर इत्यादि से मोड़ा जा सकता है? अभी दोनों ही उपायों पर ज्यादा काम नहीं हुआ है। लेकिन वैज्ञानिकों को यह भी लगता है कि कभी कोई ज्यादा ही खतरनाक उल्का पिंड पृथ्वी से टकराया, तो क्या होगा? पृथ्वी के इंसान अगर खत्म हो गए, तो क्या होगा? एक समाधान एक अमेरिकी उद्यमी की ओर से आया है, जो काफी रोचक है। बेन हल्डमैन नामक उद्यमी लाइफशिप नामक एक स्टार्टअप के संस्थापक हैं, जिनका सिर्फ एक ही अभियान है -मानव बीज बैंक बनाना। दूसरे शब्दों में कहें, तो इस बैंक में मानव डीएनए को संग्रहीत किया जाएगा। यह बैंक चांद पर स्थापित होगा। अगर इस धरती पर इंसान खत्म हो गए, तो मानव सभ्यता को फिर शुरू करने में यह बैंक सहायक होगा। एक भी इंसान अगर नहीं बचा, तो फिर बैंक का क्या होगा? यह भी सोच लिया गया है। उस स्थिति में शायद कभी किसी और ग्रह से जीव या एलियन आएंगे और चांद पर पहुंचकर उस बैंक के सहारे इंसान जैसी खूबसूरत कृति पुन-निर्मित करेंगे।

पृथ्वी पर विनाश की स्थिति में मानव बीज बैंक ही मानवता केपुनर्जन्म की संभावना को जीवित रखेगा। ऐसा ख्वाब देखने वाली कंपनी लाइफशिप की स्थापना 2019 में हो गई थी। यह कंपनी लार के रूप में लोगों का डीएनए चांद पर भेजने की पेशकश करती है। यह एक तरह से आपके या आपकी लार के लिए 99 डॉलर में चांद के लिए एकतरफा टिकट है। चांद पर आपकी लार मानव बीज बैंक में हमेशा के लिए रह जाएगी। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखें, तो यह मानव डाटा या मानव अस्तित्व के मूल को हमेशा के लिए संरक्षित करने का काम है। सौर मंडल के विभिन्न हिस्सों में और शायद उससे आगे भी ऐसे किसी बैंक की स्थापना संभव है।

यह कंपनी इंसानी डीएनए की पहली खेप इसी साल के मध्य में चांद पर भेजने वाली है। पहली उड़ान की पूरी तैयारी हो गई है, बोर्डिंग बंद हो चुकी है। दूसरी उड़ान के लिए बोर्डिंग जारी है, जो इसी साल के अंत में रवाना होगी। इंसानी डीएनए का बैंक बनाने की यह कोशिश अकेली नहीं है। पिछले ही साल एरिजोना विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक जेकन थंगा और उनकी टीम ने एक योजना बनाई थी। इसके तहत न केवल इंसान, बल्कि अन्य जीव जातियों के बीज भी संरक्षित रखने की जरूरत बताई गई है। 67 लाख प्रजातियों में से प्रत्येक से लगभग 50 नमूने लिए जाएंगे, मतलब कम से कम 33.50 करोड़ नमूने चांद पर पहुंचाने के लिए लगभग 250 रॉकेट लॉन्च होंगे। इसमें अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के निर्माण में लगने वाले खर्च से छह गुना खर्च आएगा। लेकिन जब इंसानों को विनाश का भय सताने लगा है, तब इंसान खुद को बचाने के लिए जो भी करे, कम ही है। सरकारी स्तर पर अगर देखें, तो इससे मिलता-जुलता प्रयास नार्वे ने किया है, आर्कटिक के करीब पेड़-पौधों केबीज का विशाल संग्रह बनाया गया है। खैर, आज के समय में विनाश के बाद के बारे में सोचने से ज्यादा जरूरी है, किसी भी प्रकार के विनाश को रोकना।

मुश्किलें बढ़ाती महंगाई

(जयंतीलाल भंडारी)

ारत में खाद्य तेल की खपत दो सौ पच्चीस लाख टन ालाना की है और इसमें अस्सी लाख टन पाम आयल ी शामिल है। पाम आयल का इस्तेमाल खाने से लेकर ाबुन, बिस्कुट, टूथपेस्ट, शैंपू जैसी रोजमर्रा के स्तेमाल वाली वस्तुओं के उत्पादन में किया जाता है। ,से में पाम आयल के गहराते संकट की वजह से खाद्य लों के अलावा दूसरी वस्तुएं भी महंगी हो रही हैं।

पिछले हफ्ते दिल्ली में आयोजित रायसीना संवाद ं विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि रूस-यूक्रेन ुद्ध और आपूर्ति शृंखला में बाधा की वजह से ुनियाभर में खाद्यान्न की कमी होने लगी है और महंगाई जी से बढ़ती जा रही है। सरकार से लेकर अर्थशास्त्री क इस हालात को लेकर चिंतित नजर आ रहे हैं। ारत में भी आम आदमी कीमतों में बढ़ोतरी से जूझ हा है, लेकिन खाद्यान्न अनुकूलता के कारण अभी यहां से हालात पैदा नहीं हुए हैं, जैसे दुनिया के और मुल्कों ं देखने को मिल रहे हैं। इस समय भारत अपने ाद्यान्न भंडारों के कारण दुनिया को खाद्य संकट से ारने में मदद भी कर पाने की स्थिति में है।

गौरतलब है कि अमेरिका, ब्रिटेन, तुर्की, ाकिस्तान सहित अधिकांश देशों में जहां महंगाई भारत ी तुलना में काफी अधिक है, वहीं जर्मनी, इटली, पेन सहित कई यूरोपीय देशों में खाद्य तेलों और आटे ा स्टाक खत्म होने की खबरें भी आ रही हैं। महामारी ंकट तथा महंगाई और बढ़ने की आशंका को देखते ए लोग घरों में सामान जमा कर रहे हैं। इस कारण कई ूरोपीय देशों को तो सीमित मात्रा में सामान बेचने का ियम लागू करने को बाध्य होना पड़ा है, ताकि ामाखोरी न बढ़े। इतना ही नहीं कई यूरोपीय देशों में द्योग-कारोबार में गिरावट के कारण कर्मचारियों की ंटनी का सिलसिला भी जारी है। वैसे भी बेरोजगारी ुनिया की बड़ी और गंभीर समस्या बन गई है।

उल्लेखनीय है कि भारत में खाद्यान्न अनुकूलता के ावजूद महंगाई बढ़ने के चार परिदृश्य सामने हैं। एक, ोक और खुदरा महंगाई दर बढ़ रही है। दो, पेट्रोल और ीजल की कीमतों में वृद्धि रोजमर्रा के खर्च को भावित कर रही है। तीन, चीन सहित कई देशों से ायातित वस्तुएं महंगी हो गई हैं और इंडोनेशिया ने पाम ाइल का निर्यात रोकने का फैसला किया है। चार, याज दरों में वृद्धि से कर्ज महंगा होने से महंगाई बढ़ रही ।

गौरतलब है कि 18 अप्रैल को आए आंकड़ों के नुसार मार्च में थोक महंगाई दर बढ़ कर 14.55 ीसद पर पहुंच गई। यह बीते चार माह में सबसे ज्यादा रही। यह लगातार बारहवां महीना रहा, जब थोक महंगाई दर दस फीसद से ऊपर रही। इसी तरह खुदरा महंगाई भी इस साल मार्च में 6.95 फीसद पर पहुंच गई, जो पिछले सत्रह महीनों में सबसे ज्यादा रही। यह लगातार तीसरा महीना है जब खुदरा महंगाई भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) के दो से छह फीसद से दायरे से बाहर बनी हुई है।

यह बात भी महत्वपूर्ण है कि रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध की वजह से कच्चे तेल के बढ़ते दाम और वस्तुओं की आपूर्ति बाधित होने से वैश्विक जिंस बाजार में भी भारी तेजी बनी हुई है। शंघाई सहित चीन के कई औद्योगिक शहरों में कोरोना फिर से फैलने की वजह से पूर्णबंदी जैसे कदम उठाए जा रहे हैं। इस कारण उत्पादन में कमी होने से चीन से आयातित कच्चा माल काफी महंगा हो गया है।

इसका असर भारत के उद्योगों पर पड़ रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से सूरजमुखी के तेल का आयात पहले से प्रभावित है। इंडोनेशिया ने पिछले हफ्ते से पाम आयल का निर्यात बंद कर दिया है। भारत में खाद्य तेल की खपत दो सौ पच्चीस लाख टन सालाना की है और इसमें अस्सी लाख टन पाम आयल भी शामिल है। भारत में पाम आयल का इस्तेमाल खाने से लेकर साबुन, बिस्कुट, टूथपेस्ट, शैंपू जैसी रोजमर्रा के इस्तेमाल वाली वस्तुओं के उत्पादन में किया जाता है। ऐसे में पाम आयल के गहराते संकट की वजह से खाद्य तेलों के अलावा दूसरी वस्तुएं भी महंगी हो रही हैं। इससे अप्रैल की खुदरा महंगाई दर पर असर पड़ेगा।

सरकार के साथ रिजर्व बैंक भी बढ़ती महंगाई के दुष्प्रभावों से अनजान नहीं है। इस समय रिजर्व बैंक की प्राथमिकता महंगाई को काबू करना है। इसी को ध्यान में रखते हुए रिजर्व बैंक के कहने पर देश के विभिन्न व्यावसायिक बैंकों ने कर्ज दर (एमसीएलआर) में इजाफा किया है। इससे कर्ज महंगे हो गए हैं। कर्जदारों, कारोबारियों और उद्योगपतियों को कर्ज पर ज्यादा किस्त और ब्याज चुकाना होगा। कर्ज दर बढ़ने से महंगाई के दौर में लोगों की मुश्किलें और बढ़ेंगी। एमसीएलआर बैंकों की ऐसी मानक ब्याज दर होती है, जिस पर बैंक ग्राहकों को कर्ज देते हैं।

हालांकि कर्ज का महंगा होना महंगाई नियंत्रण की दिशा में एक प्रभावी कदम है, लेकिन इससे आर्थिक गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका रहती है। वस्तुतः महंगी दर पर कर्ज लेने से आम आदमी, उद्यमी व कारोबारी पीछे हटेंगे। इससे बाजार में विभिन्न उत्पादों की मांग और आपूर्ति में कमी आएगी। स्थिति यह भी है कि इस साल मार्च से बढ़ी महंगाई के बाद जहां आम आदमी के जीवन पर महंगाई का असर पड़ा है, वहीं कर्ज के भुगतान पर भी इसका प्रभाव दिखने लगा है। कर्ज नहीं चुका पाने वालों की संख्या बढ़ रही है। जबकि पिछले साल नवंबर में आर्थिक गतिविधियों में तेजी को देखते हुए कर्जदारों की भुगतान क्षमता सुधार दिखा था। लेकिन मार्च में खाद्य वस्तुओं और तेल की बढ़ती कीमतों से आर्थिक हालात फिर से बिगड़ने लगे।

इस समय दूसरे देशों की तुलना में भारत में महंगाई का असर कम है। भारत में महंगाई को तेजी से बढ़ने से रोकने में कुछ अनुकूलताएं स्पष्ट दिखाई दे रही हैं। देश में अच्छी कृषि पैदावार खाद्य पदार्थों की कीमतों के नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसके अलावा देश में न केवल सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के लिए आवश्यकता से अधिक चावल और गेहूं का सुरक्षित केंद्रीय भंडार भरपूर है, बल्कि देश गेहूं और चावल का निर्यात भी कर रहा है। यह बात भी महत्त्वपूर्ण है कि देश में महंगाई को काबू करने में सार्वजनिक वितरण प्रणाली की उपयोगिता दिखाई दे रही है।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत सार्वजनिक राशन प्रणाली के तहत करीब अस्सी करोड़ लाभार्थियों में से जनवरी 2022 तक सतहत्तर करोड़ से अधिक लाभार्थी डिजिटल रूप से सभी राशन दुकानों से जुड़ गए। सरकार ने तिलहन और खाद्य तेलों पर भंडारण सील की अवधि छह महीने बढ़ा कर 31 दिसंबर 2022 तक कर दी है। भंडारण सीमा के तहत खुदरा विक्रेता तीन टन तक और थोक व्यापारी पचास टन तक खाद्य तेल का भंडारण कर सकता है। इस कदम से जमाखोरी पर नियंत्रण रहेगा।

रिजर्व बैंक भी कह चुका है कि वह अब विकास दर में वृद्धि के बजाय महंगाई नियंत्रण को अधिक प्राथमिकता देगा और अपने नरम रुख को धीरे-धीरे वापस लेगा। जिस तरह पिछले वर्ष 2021 में पेट्रोल और डीजल की कीमतें सौ रुपए प्रति लीटर से अधिक होने पर केंद्र सरकार ने पेट्रोल व डीजल पर सीमा व उत्पाद शुल्क में और कई राज्यों ने वैट में कमी की थी, वैसे ही कदम अब फिर जरूरी दिखाई दे रहे हैं।

उम्मीद की जानी चाहिए कि सरकार ऐसे विभिन्न रणनीतिक प्रयासों से देश के आम आदमी और अर्थव्यवस्था को महंगाई के खतरों से बचाने के लिए तेजी से आगे बढ़ेगी। भारतीय मौसम विभाग ने इस वर्ष सामान्य मानसून रहने का जो पूर्वानुमान किया है, वह सटीक रहेगा और सामान्य मानसून से भी महंगाई नियंत्रित होगी।

यूजीसी के इस जतन से शिक्षा का हाल सुधरेगा?

(कात्यायनी उप्रेती)

भारत के शैक्षणिक संस्थानों को अब विदेशी संस्थानों के साथ जॉइंट डिग्री, डुअल डिग्री और ट्वाइनिंग प्रोग्राम शुरू करने का मौका मिलेगा। इस फैसले के साथ यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमिशन (यूजीसी) ने भारत और विदेशी संस्थानों के बीच अकादमिक साझेदारी को आसान किया है। अब भारत के उच्च शिक्षा संस्थान विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ साझेदारी के लिए आजाद होंगे। इसके अलावा स्टूडेंट्स के विदेशी यूनिवर्सिटी में पढ़ने के खर्चे में भी कुछ कमी आएगी।

हालांकि, हर विश्वविद्यालय इस सुविधा का फायदा नहीं उठा पाएगा। वे ही उच्च शिक्षा संस्थान इन प्रोग्राम को स्टूडेंट्स के लिए पेश कर सकेंगे, जो क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग और टाइम्स हायर एजुकेशन रैंकिंग में टॉप 1000 में शामिल हों। इसके अलावा, वे संस्थान भी इन प्रोग्राम को शुरू कर सकेंगे जिनका एनएएसी (नैशनल असेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन काउंसिल) स्कोर 4 में से कम से कम 3.1 हो या वे नैशनल इंस्टिट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क रैंकिंग में टॉप 100 में शामिल हों। यूजीसी ने मौजूदा रेग्युलेशंस में संशोधन कर विदेशी और भारत के शिक्षा संस्थानों की साझेदारी की राह आसान बनाई है। यूजीसी का कहना है कि इससे शिक्षा का वैश्वीकरण होगा। भारत के स्टूडेंट्स को क्वॉलिटी एजुकेशन मिलेगी और कम कीमत में हर तबके के स्टूडेंट्स को ग्लोबल शिक्षा पाने का मौका मिलेगा।

देशभर के संस्थान तीन तरह के प्रोग्राम ऑफर कर सकेंगे- ट्वाइनिंग प्रोग्राम, जॉइंट डिग्री प्रोग्राम और डुअल डिग्री प्रोग्राम। ये सुविधा सिर्फ फिजिकल मोड की डिग्री के लिए मिलेगी, स्टूडेंट्स को विदेशी संस्थान से 30 प्रतिशत क्रेडिट स्कोर हासिल करना होगा। इन मानदंडों पर खरे उतरने वाले संस्थानों को अलग से मान्यता या स्वीकृति लेने की जरूरत नहीं है। अब तक संस्थानों को एमओयू साइन करने के लिए यूजीसी से मंजूरी लेनी पड़ती थी। यह लंबी प्रॉसेस थी। हालांकि, प्रफेशनल प्रोग्राम जैसे इंजीनियरिंग, मेडिकल वगैरह के लिए संबंधित बॉडी से मंजूरी अब भी जरूरी होगी। यूजीसी के नए रेग्युलेशंस के तहत, डुअल डिग्री के लिए प्रोग्राम का करिकुलम भारत और विदेशी संस्थान मिलकर तैयार करेंगे। स्टूडेंट को 30 प्रतिशत कोर्स क्रेडिट विदेशी संस्थान से पूरा करना होगा, डिग्री भारत और विदेश का संस्थान जारी करेगा। इसमें दोनों संस्थानों के क्रेडिट भी लिखे होंगे। जॉइंट डिग्री के लिए दोनों पार्टनर संस्थान एमओयू साइन करेंगे, जिसके तहत इंडियन स्टूडेंट्स को विदेशी विश्वविद्यालय से 30 प्रतिशत से ज्यादा कोर्स क्रेडिट पूरा करना होगा। डिग्री भारत का संस्थान देगा। अगर कोई भारतीय संस्थान किसी विदेशी शिक्षा संस्थान के साथ ट्वाइनिंग प्रोग्राम शुरू करना चाहता है, तो स्टूडेंट को कोर्स क्रेडिट का 30 प्रतिशत विदेशी संस्थान से पूरा करना होगा। यही विदेशी स्टूडेंट्स के लिए भी लागू होगा। विदेशी शिक्षा संस्थान में हासिल किए गए क्रेडिट भारतीय संस्थान से दी गई डिग्री/डिप्लोमा में गिने जाएंगे।

नया ड्राफ्ट (भारत और विदेश के उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच जॉइंट डिग्री, डुअल डिग्री और ट्वाइनिंग प्रोग्राम को लेकर शैक्षणिक सहयोग) यूजीसी ने पास कर दिया है। इससे स्टूडेंट्स को कुछ फायदे जरूर होंगे। अकादमिक उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध संस्थान वैश्विक विशेषज्ञता के साथ स्टूडेंट्स के लिए प्रोग्राम डिजाइन करेंगे। विदेश में पढ़ाई के लिए उत्सुक स्टूडेंट्स को भी विकल्प मिलेंगे। यह तय है कि प्राइवेट और डीम्ड विश्वविद्यालय यूजीसी के इस फैसले का फायदा उठाएंगे।

वे कई ऐसे कोर्स डिजाइन करेंगे और स्टूडेंट्स को भी अपनी ओर खींचेंगे।

इस पूरी कवायद के पीछे यूजीसी अपना मकसद बताता है कि उसे स्टूडेंट्स को क्वॉलिटी एजुकेशन देनी है। क्वॉलिटी एजुकेशन स्टूडेंट्स को तभी मिल पाएगी, जब कड़ी निगरानी हो। यह जरूरी है, ताकि स्टूडेंट्स जॉइंट, डुअल डिग्री और ट्वाइनिंग प्रोग्राम के चक्कर में ऐसे संस्थानों के जाल में ना फंसें, जो इस प्रोग्राम के तहत सिर्फ पैसा कमाना चाहते हैं।

अब यह तो वक्त बताएगा कि इस योजना के आने के बाद भारतीय संस्थानों के साथ साझेदारी के लिए विदेशी संस्थान कितनी दिलचस्पी दिखाएंगे और वक्त कितना लगेगा। खासतौर पर विदेश के कितने टॉप और क्वॉलिटी संस्थान भारत के संस्थानों के साथ टाई-अप करना पसंद करेंगे। इसके अलावा, यह देखना भी दिलचस्प होगा कि क्या विदेश में पढ़ने की इच्छा रखने वाले स्टूडेंट्स इन प्रोग्रामों में दिलचस्पी लेते हैं और हर साल बाहर जाने वाले स्टूडेंट्स की संख्या में कमी आती है। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

पानी की समस्या

(अमन गुर्जर, ग्वालियर)

मूचा भारत इस समय भीषण गर्मी ा भयंकर ताप झेल रहा है। तापमान े बढ़ते आंकड़े रोज नया कीर्तिमान च रहे हैं। आसमान से बरसता सूरज ा प्रकोप धरती के आंचल को भी ाली कर देता है। इस समय देश की ाधी से ज्यादा आबादी भयंकर ल-संकट से गुजर रही है। पानी की मस्या बीते वर्षों में विकराल हो ली है। बहुत कम संख्या में बची ीलें, तालाब और नदियां अपने स्तित्व को जूझ रही हैं।

2020 में जारी इकोलॉजिकल ट रजिस्टर की रिपोर्ट के अनुसार आज भारत की लगभग साठ करोड़ जनता पानी की जबर्दस्त किल्लत से जूझ रही है। पर नागरिक समाज की इस दिशा में उदासीनता और नीतिगत सुधारों का अभाव जैसे धरती की कोख को पानी से भरने नहीं दे रहे हैं। विडंबना यह है कि देश और दुनिया गंभीर जल संकट की ओर तेजी से बढ़ रही है, फिर भी शहर जंगल, तालाब और पानी के परंपरागत स्रोतों को मार कर अपना विस्तार करते जा रहे हैं। हमें अब यह सोचने-समझने की जरूरत है कि प्यासी धरती में कभी खुशहाली के अंकुर नहीं फूटते।

शोर के खिलाफ

(पवन कुमार मधुकर)

किसी भी सरकार का यह फर्ज है कि समाज को शांति और समृद्धि का वातावरण प्रदान करे। इस परिप्रेक्ष्य में योगी सरकार की सख्ती के चलते मंदिर हो या मस्जिद सभी जगह से ध्वनि प्रदूषण के लिए जिम्मेदार लाउडस्पीकरों की या तो आवाज निर्धारित डेसीबल पर की गई या उन्हें उतरवाए जाने की प्रक्रिया चल रही है। बुजुर्ग, बीमार व्यक्तियों, विद्यालयों और विद्यार्थियों के लिए शांत वातावरण जरूरी है।

पर ध्यान देने योग्य बात यह है कि क्या शोरगुल के लिए केवल लाउडस्पीकर जिम्मेदार है? क्या कल-कारखानों के शोरगुल पर कभी ऐसी तत्परता दिखाई गई? क्या शादी-विवाह में बजने वाले डीजे निर्धारित डेसीबल का उल्लंघन नहीं करते? क्या यातायात वाहनों की तेज ध्वनियों के प्रति कभी ऐसी सक्रियता दिखाई गई? क्या कभी ऐसा जमीनी निरीक्षण किया गया कि कितने निजी विद्यालय हाईवे और रेलवे के व्यस्त मार्ग के बीच स्थित हैं।

ऐसे संस्थानों को मान्यता ही नहीं दी जानी चाहिए।अगर सरकार सही मायने में शोरगुल मुक्त वातावरण स्थापित करना चाहती है तो वाहन कंपनियों को निर्देश दे कि हार्न की आवाज मानक के अनुसार सेट करें। ऐसे फैसलों से ही सबका विश्वास जीता जा सकता है।

काम पर क्यों नहीं लौट रही हैं ज्यादा महिलाएं

एक ग्रामीण ने बात आगे बढ़ाई, 'बिरादरी में उन परिवारों की इज्जत नहीं होती, जिनकी महिलाएं बाहर काम करती हैं। लोग ऐसे परिवारों में अपने बेटों या बेटियों की शादी नहीं करना चाहते।' जब पूछा गया कि क्या वे अपनी बेटियों को स्कूलों या कॉलेजों में पढ़ाना चाहते हैं, तो ज्यादातर लोगों ने हां में जवाब दिया। लेकिन पढ़ाने का फायदा ही क्या है, जब वे काम नहीं करने वाली? जवाब था- शिक्षा से शादी कराने में आसानी होती है। कोई भी अपने बेटों की शादी अनपढ़ लड़कियों से नहीं कराना चाहता।

(नीरज कौशल)

सऊदी अरब की महिलाओं की काम में सहभागिता भारतीय महिलाओं के मुकाबले ज्यादा हो गई है। हैरानी हुई ना जानकर। हाल के वर्षों में सऊदी अरब में लैंगिक भेदभाव कम करने वाले सुधारों का सिलसिला चला है। इसलिए वहां बड़ी संख्या में और हर उम्र की महिलाएं रोजगार बाजार से जुड़ीं। वहां 2016 में 18 फीसदी महिलाएं काम कर रही थीं, जिनकी संख्या 2020 में बढ़कर 33 फीसदी पहुंच गई। इस बीच, भारत में कामकाजी महिलाओं की संख्या कम होती रही। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 2012 में यह 31 फीसदी थी, जो 2021 में घटकर 21 फीसदी रह गई। अफसोस की बात यह है कि भारतीय महिलाओं की श्रम शक्ति में कम होती भागीदारी की किसी को पड़ी नहीं है। भारत सरकार के आत्मनिर्भरता अजेंडा में महिलाओं का रोजगार शामिल नहीं है।

सामाजिक पहलू- बहरहाल, इन आंकड़ों को देखकर लगता है कि देश में जेंडर के मोर्चे पर हालात बदतर होते जा रहे हैं और तेज आर्थिक सुधार वाले वर्ष भी महिलाओं को आर्थिक अवसर मुहैया कराने में नाकाम रहे। लेकिन हाल के अपने कुछ दौरों में मैंने पाया कि जमीनी हकीकत थोड़ी जटिल है। जिन वजहों से महिलाएं नौकरी या काम छोड़ रही हैं, उनमें सांस्कृतिक और सामाजिक पहलू भी जुड़े हुए हैं। इसमें महिलाओं का काम करना सामाजिक रूप से अच्छा नहीं माना जाता।

दो महीने पहले मैं उत्तर प्रदेश और हरियाणा के गांवों में गई थीं। वहां मैंने पूछा कि गांवों में कामकाजी महिलाओं की संख्या क्यों कम हो रही है? पूर्वी उत्तर प्रदेश के भदोही जिले के एक दलित गांव में महिलाओं के एक समूह ने बताया कि इसकी एक बड़ी वजह ऊंची जातियों के पुरुषों द्वारा किया जाने वाला यौन उत्पीड़न है। उनमें से एक महिला ने कहा, 'हमारी पहले की पीढ़ियों में यौन उत्पीड़न आम और स्वीकार्य रहा है। लेकिन अब ऐसा नहीं है। हम ऐसे लोगों के लिए काम नहीं करते।' स्पष्ट तौर पर इस ग्रुप के लिए श्रम शक्ति से महिलाओं के निकलने का मतलब ऊंची जाति के पुरुषों द्वारा पीढ़ियों से किए जा रहे शोषण और उत्पीड़न को खत्म करना था।

हाथ में स्मार्टफोन पकड़े और मुंह घूंघट में छुपाए एक अन्य महिला ने यह कहते हुए मेरी चिंताओं को खारिज कर दिया कि 'घर में ही बहुत सारा काम होता है। हमें बाहर जाकर काम करने की फुरसत नहीं होती।' पास खड़ी एक अन्य महिला बोली, 'इसका पति शहर से इतना पैसा भेज देता है कि इसे काम करने की जरूरत नहीं पड़ती।' यह सुनकर घूंघट वाली महिला मुस्कुराने लगी।

पूना से आए एक सामाजिक कार्यकर्ता ने मुझे यहां की स्थिति समझाई। उन्होंने बताया कि जब पूरा परिवार गांव से बाहर जाता है तो उस परिवार की महिला, पुरुष, बच्चे सभी शहर की फैक्ट्रियों में काम करते हैं। लेकिन जब परिवार के सिर्फ पुरुष सदस्य शहर जाते हैं तो महिलाएं काम करना पसंद नहीं करतीं। शायद अपने पति के शहर में होने पर गांव में काम करते वक्त वे खुद को असुरक्षित पाती हैं। इस मामले में भी श्रम शक्ति से महिलाओं के बाहर होने का मतलब उनका उत्पीड़न से बचना ही है।

एक ग्रामीण ने बात आगे बढ़ाई, 'बिरादरी में उन परिवारों की इज्जत नहीं होती, जिनकी महिलाएं बाहर काम करती हैं। लोग ऐसे परिवारों में अपने बेटों या बेटियों की शादी नहीं करना चाहते।' जब पूछा गया कि क्या वे अपनी बेटियों को स्कूलों या कॉलेजों में पढ़ाना चाहते हैं, तो ज्यादातर लोगों ने हां में जवाब दिया। लेकिन पढ़ाने का फायदा ही क्या है, जब वे काम नहीं करने वाली? जवाब था- शिक्षा से शादी कराने में आसानी होती है। कोई भी अपने बेटों की शादी अनपढ़ लड़कियों से नहीं कराना चाहता।

मिर्जापुर जिले में मैं 16 से 25 वर्ष की लड़कियों के एक ग्रुप से मिली, जो एक एनजीओ से जुड़ी थीं और स्वतंत्र होना चाहती थीं। ग्रुप की एक लड़की ने कहा, 'आपको अंदाजा भी नहीं होगा कि हमारे परिवारों का कितना दबाव होता है हम पर। ऐसी मीटिंग में आने और भविष्य में काम की संभावनाओं पर बात करने के लिए हमें परिवार वालों से लड़ना पड़ता है।' दूसरी लड़की ने बताया, 'हम पर लगातार दबाव रहता है शादी का। एक बार शादी हो गई तो बच्चे का दबाव। शादी के एक साल के अंदर बच्चा नहीं हुआ तो ससुराल वाले और मायके वाले चिंता करने लगते हैं कि कुछ गड़बड़ है।'

ग्रुप की एक अन्य लड़की ने कहा, 'समय बीतता जा रहा है। अगर हमें एक खास समय सीमा के अंदर काम नहीं मिला तो मां-बाप हमारी शादी करा देंगे और बस वहीं हमारा करियर खत्म।' ये युवा लड़कियां काम की जगह पर भेदभाव को लेकर नहीं डरतीं। उनके सामने कहीं बड़ी चुनौती है- सदियों पुराना सांस्कृतिक मानक, जो लड़कियों का काम करना अच्छा नहीं मानता।

पति से ज्यादा कमाई

यात्रा के अगले दौर में मैं हरियाणा के एक गांव पहुंची, जहां मेरी मुलाकात एक कीटनाशक कंपनी में कृषि साथी के रूप में काम कर रहीं 25 लड़कियों के एक ग्रुप से हुई। इन लड़कियों की उम्र भी 18 से 25 साल के बीच थी। इनमें से कई पार्टटाइम कॉलेज से पढ़ाई भी कर रही थीं, कई शादीशुदा थीं और चार ऐसी थीं जो अपने पतियों से ज्यादा कमाती थीं। उनमें से एक ने कहा, 'सचमुच तब बहुत अच्छा लगता है, जब हमारे ससुर घर में किसी बड़ी खरीदारी या भविष्य के निवेश को लेकर मुझसे राय-मशविरा करते हैं।' उसकी मां या सास को ऐसी इज्जत नहीं मिली थी।

कीटनाशक कंपनी इस काम के लिए सिर्फ महिलाओं को रखती है। ऐसी जेंडर सेंसिटिविटी कम ही देखने को मिलती है। सामाजिक रूढ़ियों को बदलने में कंपनियों की बड़ी भूमिका हो सकती है, लेकिन इसमें वक्त लगेगा। (लेखिका कोलंबिया यूनिवर्सिटी, अमेरिका में सोशल पॉलिसी की प्रफेसर हैं) ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

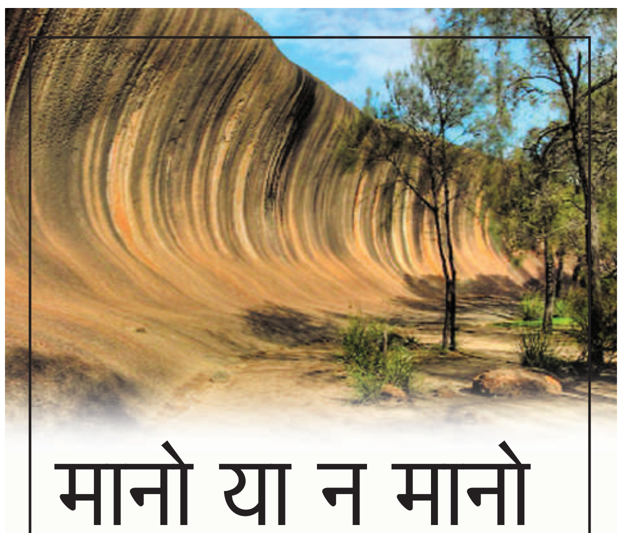

मानो या न मानो

- आस्ट्रेलिया में हाइडन के निकट 'वेव रॉक' नामक एक ऐसी चट्टान है, जो दूर से देखने पर एक शक्तिशाली जल प्रपात के समान दिखाई देती है।
- दुनिया भर में भेड़ों से प्रतिदिन पांच हजार टन ऊन प्राप्त होती है जिससे डेढ़ करोड़ से भी अधिक स्वेटर तैयार हो सकते हैं।
- नदी-नालों या तालाबों की तली से उत्पन्न बुलबुलों का आकार ऊपरी सतह तक आते-आते बढ़ जाता है क्योंकि ऊपर दबाव कम होता है परन्तु जहां से बुलबुले बनते हैं, वहां अधिक।
- यूरोप के आल्पाइन नामक क्षेत्र में सफेद सांभर को मृत्यु का अग्रसूचक माना जाता है। वहां ऐसा अंधविश्वास प्रचलित है कि इसका शिकार करने वाला व्यक्ति स्वयं एक वर्ष के भीतर मर जाएगा।
- 'बी आर्किड' नामक पौधे के फूल देखने में मधुमक्खी जैसे लगते हैं।

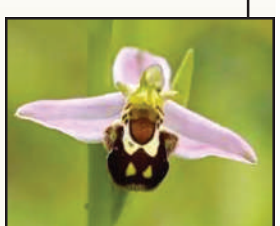

- 'इलेक्ट्रिक कैट फिश' नामक मछली छोटी मछलियों को बिजली का झटका देकर मार डालती है। यह भी दिलचस्प है कि वह उन्हें अपना आहार नहीं बनाती है बल्कि उनके शिकार को अपना आहार बनाने के लिए ऐसा करती है।
- 'स्टिगिंग नैटल' नामक वृक्ष उन मनुष्यों को मौत के घाट उतार सकता है जिन्हें इसके विष से एलर्जी होती है। दरअसल, इनके त्वचीय भाग में रोएं पाए जाते हैं जो विषैले होते हैं और शरीर में चुभकर अपना विषैला प्रभाव छोड़ते हैं जिससे व्यक्ति की मृत्यु हो सकती है।

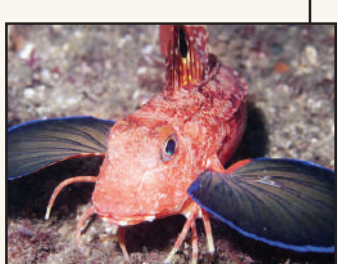

- **गरनर्ड मछली**
  यह पकड़े जाने पर घुर्र की आवाज करती है। इसके शरीर में छाती पर तीन अँगुलियों जैसे अंग होते हैं, जिनसे यह समुद्र की कीचड़ भरी तली में भोजन खोदकर मुँह में डालती है।
- **पर्पिल शोर केकड़ा**
  यह केकड़ा अपने भार के अनुपात में 40 आदमियों के बराबर ताकत रखता है।
- **अण्डे खाने वाली मादा मछली**
  बाओफिन नामक मादा मछली अंडे देने के बाद स्वयं उन्हें खा लेती है, इसलिए नर बाओफिन को उन अंडों की रक्षा करनी पड़ती है, जब तक अंडों में से बच्चे न निकल जाएँ।

- **कॉलोरेडो नदी का मेढक**
  जिसकी टर्र-टर्र की आवाज यात्रियों को भ्रमित कर देती है। इसकी टर्र-टर्र की आवाज नाव की सीटी जैसी होती है।
- **गिरगिट**
  गिरगिट रंग बदलने वाला प्राणी है। गिरगिट की आँखें एक-दूसरे से स्वतंत्र रहकर एक साथ दो दिशाओं में देख सकती हैं।
- **सफेद सांभर**
  यूरोप के आलपाइन क्षेत्र में मृत्यु का अग्रसूचक माना जाता है। अंधविश्वासी दावा करते हैं कि इसका शिकार करने वाला स्वयं एक वर्ष के अन्दर ही मर जाएगा।
- **अफ्रीका की पैराडाइज व्हिडाह चिड़िया**
  हमेशा अपने अण्डे 'वैक्सविंग पक्षी के घोसले में देती है, पर पूरी तरह तसल्ली करके कि उसके पंख और बोली भी 'व्हिडाह' के जैसी ही है।
- **वर्षा करने वाला पेड़**
  गर्म क्षेत्र में उत्पन्न होने वाला 'समानी समन' नामक पेड़ दिन में फलियों में पानी एकत्र कर लेता है और शाम को घनी वर्षा के रूप में उसे बरसा देता है।

- **मोरपंखी कीड़ा**
  यह समुद्र की तली के दलदल में पाया जाता है। पानी के अंदर अपने भोजन को पकड़ने के लिए मोर के रंगीन पंखों जैसे अपने गलफड़ों को फैलाता है।
- **रंग-बिरंगी चिड़िया**
  ऑस्ट्रेलिया की पिट्टा चिड़िया जिसके पंख नौ रंगों (नीला, पीला, हरा, नारंगी, भूरा, गुलाबी, लाल, सफेद और काला) के हाते हैं, जो सदैव चमकते रहते हैं।

रंग बदलती है ये झील

चौकाने वाली है इसकी कहानी

दुनियाभर में कई ऐसे झील हैं जो अपने किसी ना किसी अनोखे कामों के लिए प्रसिद्ध है। आज हम आपको एक ऐसी ही झील के बारे में बताने जा रहे हैं। जी दरअसल हम बात कर रहे हैं 'कराकुल झील' की। यह झील भारत से कोसों दूर मध्य-एशिया के ताजिकिस्तान में है। इस झील को मध्य-एशिया की चुनिंदा खूबसूरत और अद्भत झीलों में गिना जाता है। यह झील लगभग 380 वर्ग किमी में फैली है। यहाँ चारों तरफ फैले पहाड़ और रेगिस्तान सभी को आकर्षित करते हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि इस झील का पहला नाम महारानी विक्टोरिया पर रखा गया था, लेकिन कुछ ही समय बाद में सोवियत संघ द्वारा इस झील का नाम 'काराकुल' रख दिया गया, जिसका मतलब होता है काली झील। कहा जाता है इस झील का निर्माण धरती से उल्कापिंड के टकराने की वजह से हुआ था। इस घटना को ढाई करोड़ साल पहले हुई बताया जाता है। वैसे यह कोई नहीं जानता कि इस बात में कितनी सच्चाई है। यह झील नमक की झील है, और

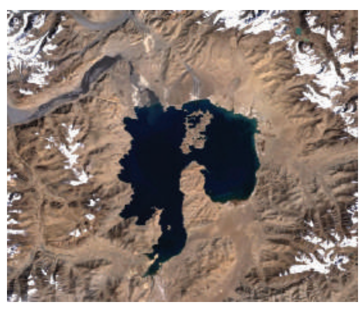

इसे चारों तरफ से घेर दिया गया है, ताकि इसका पानी बाहर न जा सके। बताया जाता है इस झील में इतना नमक पाया जाता है कि इसमें एक खास प्रजाति की मछली को छोड़कर कोई और जीव नहीं रहता।

वैसे इस झील को देखने लोग दूर-दूर से आते हैं क्योंकि यह झील दिन में कई बार अपने रंग को बदलती है। यह झील अगर सुबह से शाम तक में कभी नीली, कभी गहरे हरे रंग की, तो कभी फिरोजी रंग की हो जाती है। वही आज तक यह नहीं पता चल पाया कि ऐसा क्यों होता है। इस झील में भारी मात्रा में नमक की मौजूदगी के चलते आप इसमें बोटिंग भी नहीं कर सकते।

सच बोलने की हिम्मत

मोहित, अंकित और अमन तीनों अच्छे दोस्त थे। अंकित और अमन प्राइवेट स्कूल में पढ़ते थे और मोहित पास के ही सेंट्रल स्कूल में। मोहित के पिता सीआईएसएफ में काम करते थे। तीनों एक ही मोहल्ले में रहते थे। साथ-साथ घूमना और खेलना। पढ़ना भी साथ-साथ होता था। हालांकि मोहित की किताबें, अंकित और अमन की किताबों से थोड़ी अलग थीं।

सीआईएसएफ में होने के कारण मोहित के पापा अनुशासन पसंद थे, जिसका असर मोहित पर दिखता था। सुबह उठना। उठकर पास के पार्क में टहलने जाना। आकर पढ़ाई करना। ये सब उसके रुटीन का हिस्सा था। तीनों दोस्तों को शाम को साथ खेलना खूब पसंद था। जिस मैदान में वो तीनों खेलते थे, उसके पास ही अमरूद का बगीचा था। पके हुए अमरूद लगे थे। अमरूद के पेड़ों पर लगे अमरूदों को देख उन तीनों का बालमन उन्हें पाने की इच्छा करता। अमन ने अंकित और मोहित से कहा, 'इन अमरूदों को तोड़ने का कोई प्लान बनाया जाए।'

अंकित ने कहा, 'नहीं यार, पकड़े गए तो।'

मोहित ने भी हामी भरते हुए कहा, 'अंकित सही कह रहा है। किसी ने अमरूद तोड़ते देख लिया तो मार भी पड़ेगी।'

अमन ने कहा, 'बस! तुम मार से डरते हो। लेकिन ये सोचो कि किसी ने नहीं देखा और हम अमरूद तोड़ने में कामयाब हो गए तो कितना मजा आएगा।'

'ऐसा क्या!' अंकित ने हामी भरने वाले अंदाज में कहा। 'मुझे तो डर लगता है। घर में किसी को पता चल गया तो', मोहित ने दोबारा अपना डर सामने रखा।

अमन ने कहा, 'हम शाम को आएंगे, जब कोई नहीं होगा। खूब सारे मीठे अमरूद तोड़ेंगे और खाएंगे।'

'हां ये तो है', मोहित और अमन ने लगभाग एक साथ ये बात कही। उन्होंने बगीचे के बाहर खड़े होकर एक बार फिर अमरूद के पेड़ों की ओर देखा। तीनों की आंखों में एक चमक थी। उन्हें लग रहा था कि कितने मीठे होंगे ये अमरूद। लेकिन उन्होंने इसके बारे में तो सोचा ही नहीं था कि इस दीवार को कैसे पार करेंगे? मोहित ने तभी यह बात पूछ ली, 'अच्छा हम इस दीवार के पार कैसे जाएंगे?'

अमन ने दीवार की ओर देखते हुए कहा, 'अगर हम इस दीवार से लगाकर तीन ईंट रख दें तो हम इसके ऊपर चढ़ सकते हैं। तुम लोग क्या कहते हो?'

'हां, यह किया जा सकता है।' मोहित ने कहा।

चलो अभी घर चलते हैं और कल शाम को अमरूद खाने का इंतजाम किया जाएगा।' अमन ने मोहित और अंकित की तरफ देखते हुए कहा। तीनों दोस्तों ने अमरूद के पेड़ों की ओर देखा और घर की तरफ चल दिए। कल शाम का सोचकर तीनों दोस्त बड़े खुश थे। रात को तीनों अपने घर में लेटे हुए थे, लेकिन उनका मन तो वहीं कहीं अमरूद के पेड़ पर टंगा रह गया था। वो सोना चाहते थे और उन्हें लग रहा था कि बस जल्दी सुबह हो और वो मिलकर इस पर बात करें। मोहित की मां ने एक बार पूछा भी, 'क्या हुआ? नींद नहीं आ रही है?' उसने कहा, 'आ रही है' और आंखें बंद कर सोने का दिखावा करने लगा। अब भला वो अपनी मां को कैसे बताता कि उसकी नींद अमरूद के कारण कहीं खो सी गई है। कुछ ऐसा ही हाल उसके बाकी दो दोस्तों, अमन और अंकित का था। उन दोनों की भी नींद गायब ही थी। सुबह हुई और तीनों एक बार फिर मिले। उन्होंने अमरूद वाली बात फिर से दोहराई। तीनों के इरादे एक हो चले थे।

शाम को अमन, अंकित और मोहित आज के खेल के लिए मैदान की ओर चल पड़े। तीनों दोस्तों ने मैदान में पड़ी ईंटों के ढेर से एक-एक ईंट उठाई और बगीचे की दीवार के पास फेंक दी। मैदान में और भी बच्चे खेल रहे थे। लेकिन शाम होने के कारण सब अपना खेल बंद कर घर जा रहे थे।

मोहित, अंकित और अमन को तो बस इसी का इंतजार था। सभी बच्चों के मैदान से चले जाने के बाद उन तीनों ने ईंटों को एक के ऊपर एक रख दिया। इससे इतनी पहुंच बन गई कि दीवार पर चढ़ा जा सके। सबसे पहले अमन ने जोर लगाया और दीवार पर चढ़ गया। उसके बाद अंकित और मोहित ने भी कोशिश की और कामयाब हुए। तीनों ने दीवार पर खड़े होकर मैदान की ओर देखा तो मैदान काफी बड़ा दिखाई दे रहा था। सभी बच्चे अपने घर जा चुके थे। उसके बाद उन्होंने अमरूद के पेड़ों को देखा और दीवार से तोड़ने की कोशिश करने लगे। लेकिन पेड़ दूर था। उनकी पकड़ में बस उसकी टहनियां ही आ रही थीं। बिना कुछ सोचे अमन दीवार से उतर कर बगीचे में चला गया। उसने एक अमरूद तोड़ा और खाने लगा। लाल, मीठा अमरूद। उसने कहा, 'ये तो बहुत मीठा है।' अंकित भी दीवार से उतर बगीचे में चला गया, उसे उतरता देख मोहित भी उतर गया। तीनों दोस्तों ने एक-एक कर बहुत सारे अमरूद तोड़े और खा लिए। अमरूद सचमुच मीठे थे और लाल भी। तीनों को बहुत अच्छा लग रहा था। अमन ने तो दो अपनी पैंट की जेब में भी रख लिए। उसे देखकर मोहित और अंकित ने भी अपनी जेब में अमरूद रख लिए। पेट, मन और जेब भर जाने के बाद तीनों ने घर जाने की सोची। लेकिन देखा कि ईंटें तो उधर ही रह गई थीं और दीवार इतनी ऊंची थी कि वो उस पर चढ़ नहीं सकते थे। उन्होंने नजर दौड़ाई तो कोई ईंट, पत्थर भी नहीं दिख रहा था।

तीनों परेशान हो गए। धीरे-धीरे अंधेरा होता जा रहा था। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि अब दीवार पर कैसे चढ़ें?

तभी मोहित ने कहा, 'अगर हम दो लोग नीचे बैठें तो कंधे पर पैर रखकर एक दीवार पर चढ़ सकता है। और उसके बाद वह दीवार से दूसरे का हाथ पकड़ कर ऊपर खींचे, साथ ही दूसरा नीचे से उसे सहारा दे तो दूसरा भी चढ़ सकता है। और उसके बाद कोई एक दूसरी तरफ उतरकर ईंट दे दे तो तीसरा भी दीवार पर चढ़ जाएगा।' उन्हें लगा कि मोहित सही कह रहा है। एक बार फिर मोहित बोल उठा, 'सबसे पहले अंकित जाएगा, क्योंकि वह सबसे हल्का है। उसके बाद अमन तुम जाओगे और सबसे आखिर में मैं जाऊंगा।' उसके उस फैसले से अमन और अंकित को लगा कि मोहित उनका सबसे अच्छा दोस्त है।

मोहित के प्लान के मुताबिक सबसे पहले अंकित दीवार पर चढ़ा। बाद में अमन को नीचे से मोहित ने और दीवार से अंकित ने सहारा दिया और वो भी दीवार पर चढ़ गया। फिर अंकित ने दूसरी ओर उतर कर अमन को ईंट थमा दीं, जिन्हें उसने बगीचे की ओर खड़े मोहित को थमा दिया। तीनों दोस्त एक-एक कर बगीचे से बाहर निकल आए। लेकिन तीनों के कपड़े गंदे हो गए थे। मोहित की कोहनी में खरोंच भी आई थी। घर जाते हुए तीनों खुश थे। घर की गली के मुहाने पर ही मोहित के पापा मिल गए। उन्होंने बच्चों के कपड़ों का हाल देखा तो उन्हें समझ आ गया कि कोई तो बात है। उन्होंने अमन से पूछा, 'क्या हुआ?'

अमन ने कहा, 'कुछ नहीं अंकल।' फिर उन्होंने अंकित की तरफ देखा। अंकित ने भी वही लाइन दोहराई, 'कुछ नहीं अंकल।' उन्होंने अब मोहित से पूछा, 'क्या हुआ?' मोहित ने कहा, 'पापा हम अमरूद चुराने गए थे।' पापा ने पूछा, 'कहां?' मोहित ने सारी कहानी सुना दी। पापा ने कहा, 'मैं खुश हूं कि तुमने सच बोलने की हिम्मत दिखाई और साथ में अपनी सूझबूझ से वहां से निकल आए। लेकिन ऐसी सोच अच्छे मकसद के लिए लगाई जानी चाहिए। साथ ही ऐसा कोई काम नहीं करना चाहिए, जिससे तुम लोगों को झूठ बोलने की नौबत आये।' मोहित के पापा ने आगे कहा, 'कल तुम तीनों मेरे साथ शर्मा अंकल यानी अमरूद के बगीचे के मालिक के यहां चलोगे और उन्हें सॉरी कहोगे।'

गर्मियों की छुट्टियों में बनो खतरों के खिलाड़ी

दोस्तों, बंजी जपिंग, पैरा ग्लाइडिंग, वॉटर स्पोर्ट्स जैसे एडवेंचर्स को देखकर तुम्हारा मन भी करता होगा इन्हें करने का। तो इन छुट्टियों में तुम इन्हें ट्राई कर सकते हो, पर हां, सावधानी बरतकर..कहां पर जाकर कर सकते हो -

खतरों के खिलाड़ी बनने का सपना देखा है क्या कभी? बंजी जंपिंग, पैरा ग्लाइडिंग, वॉटर स्पोर्ट्स जैसे एडवेंचर्स खेल देखकर तुम्हारे मन में आया ही होगा कि तुम कब कर पाओगे इन्हें। लेकिन आत्मविश्वास, समय और सही गाइडेंस की कमी के कारण तुम कर कुछ भी नहीं पाए हो अभी तक, तो यही समय है इन्हें ट्राई करने का।

ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि गर्मियों की लंबी छुट्टियां जो आ गई हैं। तो तुम भी अपने दोस्तों के साथ इन छुट्टियों में इस तरह के थ्रिल भरे एडवेंचर्स कैंप्स में शामिल हो जाओ और छुट्टियों को यादगार बनाओ। ये कैंप्स मई-जून के महीने में बच्चों की उम्र के हिसाब से 8-10 दिन तक लगातार चलते हैं। घर से दूर 6-10 दिन के इन आउटडोर कैंप्स से न केवल बहुत कुछ जानने-सीखने का मौका मिलता है, बल्कि इनसे तुम्हारा आत्मविश्वास, पर्सनेलिटी, लीडरशिप, टीम वर्कशिप और सोशल नेटवर्क भी बढ़ता है। हमारे देश में ये कैंप्स कई स्थानों पर होते हैं, जिन्हें अनुभवी प्रशिक्षक की पूरी टीम की देखरेख में चलाया जाता है। पर इन सबके बीच इन खेलों में सावधानी बरतना बेहद आवश्यक है। इसलिए मम्मी-पापा की रजामंदी से ही तुम यहां जा सकते हो।

खेल-खेल में सीखो नई बातें

गर्मियों की छुट्टियों में दिन भर घर में रहकर तुम ऐसी वेबसाइट्स सर्च कर सकते हो, जो तुम्हें खेल-खेल में कुछ नया सिखाएंगी। जैसे नए शब्द या कैलकुलेशन के आसान तरीके। ऐसी ही एक वेबसाइट के बारे में तुम्हें बता रहे हैं गर्मियों की छुट्टियों में अगर तुमसे कोई पढ़ने को कहता है तो तुम्हें कितना गुस्सा आता है ना। तुम यही सोचते हो ना कि छुट्टियां तो होती हैं खेलने, मस्ती करने और जमकर धमाल मचाने के लिए। ऐसे में आज हम तुम्हें एक ऐसी वेबसाइट के बारे में बता रहे हैं, जहां पर इतने सारे गेम्स हैं कि तुम खेलते-खेलते थक जाओगे, लेकिन मजेदार गेम्स खत्म होने का नाम ही नहीं लेंगे। तो अबकी बार छुट्टियों में तुम गर्मी से अपना बचाव करते हुए आउटडोर गेम्स की जगह इनडोर गेम्स को प्राथमिकता दो। अपने कंप्यूटर या पापा के लैपटॉप पर वेबसाइट ऑन करो और गेम्स खेलते हुए ज्ञान बढ़ाओ।

लर्निंग गेम्स फॉर किड्स नाम से तो तुम समझ ही गए हो कि यह वेबसाइट सिर्फ तुम जैसे बच्चों के लिए ही है और वह भी सिर्फ गेम्स के लिए ही। यह एक ऐसी वेबसाइट है, जहां पर सिर्फ गेम्स ही हैं। नो स्टडी, नो होमवर्क, नो टेंशन ओन्ली गेम्स विद फन। मतलब कि पढ़ाई की टेंशन दूर करने के लिए यहां पर काफी खेल हैं, लेकिन इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि यहां के गेम्स तुम्हें काफी कुछ सिखाते हैं। तुम्हें अपने सब्जेक्ट में स्ट्रॉन्ग बनाने के लिए सब्जेक्ट वाइज गेम्स तैयार किए गए हैं और तुम्हें मानसिक और शारीरिक तौर पर फिट रखने के लिए भी गेम्स हैं।

सब्जेक्ट टू हेल्थ गेम्स

इस वेबसाइट पर सब्जेक्ट वाइज गेम्स बनाए गए हैं। इन गेम्स को खेलते हुए तुम्हें मजा भी आएगा और विषय के बारे में तुम्हारी समझ बढ़ने के साथ-साथ विषय पर पकड़ भी बनेगी। गेम कैटेगरी में जाने पर तुम्हें कई सारे सेक्शन दिखेंगे। मैथ गेम्स के सेक्शन में किंडरगार्टन मैथ से लेकर फिफ्थ ग्रेड मैथ और एडिशन, सब्सट्रैक्शन, मल्टीप्लिकेशन, डिवीजन, रैंडो मैथ जैसे गेम्स दिए गए हैं। ज्योग्राफी गेम्स के सेक्शन में अफ्रीका गेम्स, अंटार्कटिका गेम्स, एशिया गेम्स, ऑस्ट्रेलिया गेम्स, यूरोप गेम्स, नॉर्थ अमेरिका गेम्स, साउथ अमेरिका गेम्स, रैंडोग्राफी गेम्स आदि हैं। सोशल स्टडीज गेम्स में बैंजामिन फ्रैंकलिन, इन्वेंटर्स, यूएस प्रेसिडेंट, वुमन इन हिस्ट्री जैसे गेम्स हैं। साइंस गेम्स के सेक्शन में साइंस एक्सपेरिमेंट्स, साइंस सॉन्ग्स, स्पेस गेम्स, वेदर गेम्स, मोशन गेम्स, चेंज इन मैटर गेम्स, सिम्पल मशीन गेम्स, हीट एनर्जी गेम्स जैसे सेक्शन हैं। ब्रेन गेम्स में हैंड आई गेम्स, लॉजिक गेम्स, मेमोरी गेम्स, टू प्लेयर गेम्स आदि हैं। इन सबके अलावा वोकेबुलरी गेम्स, एनिमल गेम्स, आर्ट एंड म्यूजिक गेम्स, प्री स्कूल गेम्स, स्पेलिंग गेम्स, ग्राफिक ऑर्गनाइजर्स, अल्फाबेट गेम्स, वर्ड गेम्स, लिटरेचर गेम्स, की-बोर्डिंग गेम्स, यूएस स्टेट गेम्स जैसे कई सेक्शन हैं, जिनके अंदर ढेर सारे गेम्स हैं। इनमें से किसी पर भी क्लिक कर तुम गेम्स खेलने के साथ-साथ मेमोरी पॉवर को भी बढ़ा सकते हो और सब्जेक्ट के बारे में भी काफी कुछ सीख सकते हो।

इंडोर गेम्स खेलकर रहोगे फिट

तुम्हें स्वस्थ रखने के लिए हेल्थ गेम्स का सेक्शन भी बनाया गया है, ताकि इंडोर गेम्स खेलते हुए तुम मानसिक और शारीरिक तौर पर फिट रहो। हेल्थ गेम्स सेक्शन में एलर्जी, एनाटॉमी, डेंटल, स्टेइंग फिट जैसे कई गेम्स हैं, जिन्हें खेलकर तुम स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो सकते हो।

एक और सरकारी कंपनी बिकी

केंद्र ने 211 करोड़ में बेची हेलिकॉप्टर प्रोवाइडर कंपनी पवनहंस, यह हादसों के लिए बदनाम रही

नई दिल्ली

देश में हुई कई हेलिकॉप्टर दुर्घटनाओं को लेकर बदनाम रहने वाली एकमात्र सरकारी हेलिकॉप्टर प्रोवाइडर कंपनी पवनहंस अब बिक गई है। केंद्र सरकार ने पवनहंस लिमिटेड को 211.14 करोड़ रुपए में स्टार-9 मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के हाथों बेच दिया है। इसके बाद से ही पवनहंस खबरों में है।

पवनहंस को बेचने के पीछे सरकार ने क्या तर्क दिया है?

केंद्र सरकार ने पवनहंस लिमिटेड को बेचने का फैसला कर लिया है। हेलिकॉप्टर कंपनी पवनहंस लिमिटेड को बेचने के पीछे सरकार का कहना है कि कंपनी लगातार गंभीर वित्तीय संकट का सामना कर रही है। इन 3 वजहों से पवनहंस को सरकार ने बेचा है-

- तीन दशक से भी अधिक पुरानी इस कंपनी को वित्त वर्ष 2018-19 में लगभग 69 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था।
- इसके बाद साल 2019-20 में भी कंपनी को लगभग 28 करोड़ का घाटा उठाना पड़ा था।
- कैबिनेट कमेटी ऑफ इकोनॉमिक अफेयर्स 3 बार इसे बेचने की कोशिश कर चुकी है, लेकिन उस समय किसी निवेशक ने इसे खरीदने में रुचि नहीं दिखाई थी। इसी के चलते सरकार ने इस कंपनी से अपनी हिस्सेदारी को बेचने का फैसला किया है।

पवनहंस कंपनी पर 230 करोड़ रुपए का कर्ज भी है

पवनहंस की बिक्री से पहले सरकार ने कंपनी को घाटे से उबारने की योजना भी बनाई थी। सरकार पवनहंस के हेलिकॉप्टरों की संख्या बढ़ाकर सर्विस में सुधार करना चाहती थी, लेकिन सरकार ऐसा करने में विफल रही। यह कंपनी हेलिकॉप्टर सर्विस देने के अलावा अभी ट्रेनिंग और स्किल डेवलपमेंट और बिजनेस डेवलपमेंट जैसे प्रोग्राम को भी संचालित करती है।

कांग्रेस ने पवनहंस को बेचे जाने पर उठाया 3 सवाल

- पवनहंस खरीदने वाली कंपनी 6 महीने पहले बनी है। ऐसे में गवर्मेंट ने इस नई कंपनी को अपनी सार्वजनिक क्षेत्र की हेलीकॉप्टर कंपनी को 211 करोड़ रुपए मात्र में देने का निर्णय क्यों किया है?
- ऐसा क्या कारण था कि तीन कंपनी बोली लगाने के लिए आती हैं, दो रिजर्व प्राइस से कम बोली लगाते हैं। एक मात्र 11 करोड़ रुपए रिजर्व प्राइस से ज्यादा देता है। लेकिन, फिर भी सरकार उसी को क्यों हेलीकॉप्टर कंपनी सौंप दे रही है?
- पवनहंस की 51त्न हिस्सेदारी भारत सरकार के पास है। 49त्न हिस्सेदारी ओएनजीसी के पास है और ओएनजीसी कह रहा है- मैं खरीदना चाहता हूं। ऐसे में सरकार ने बाकी हिस्सेदारी ओएनजीसी को नहीं देकर एक 6 महीने पुरानी कंपनी को क्यों दे दिया?

कोरोना पर लगाम नहीं: एक दिन बाद फिर बढ़ गए कोरोना केस

24 घंटे में 3,205 नए मरीज मिले; 31 की मौत

नई दिल्ली

देश में कोरोना का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीते 24 घंटे में देश में कोरोना के 3,205 नए मामले सामने आए हैं, जबकि 31 मरीजों की मौत हो गई। देश में कल कोरोना मामलों में कुछ कमी देखने मिली थी, सोमवार को देश में 2,568 नए केस मिले थे, लेकिन मंगलवार को फिर कोरोना केस 3 हजार के पार पहुंच गए हैं। देश में एक्टिव केस यानी इलाज करा रहे मरीजों की संख्या 19,509 महामारी की शुरुआत से अब तक देश में कुल 5.23 लाख लोगों ने जान गंवाई है। कोरोना के मामले बढ़ने के साथ एक्टिव केस भी बढ़ गए हैं। फिलहाल देश में 18,317 संक्रमितों का इलाज चल रहा है। सोमवार को देश में कोरोना के एक्टिव केस 13,137 हो गए थे। वहीं, देश में पॉजिटिविटी रेट 1.22त्न हो गया है।

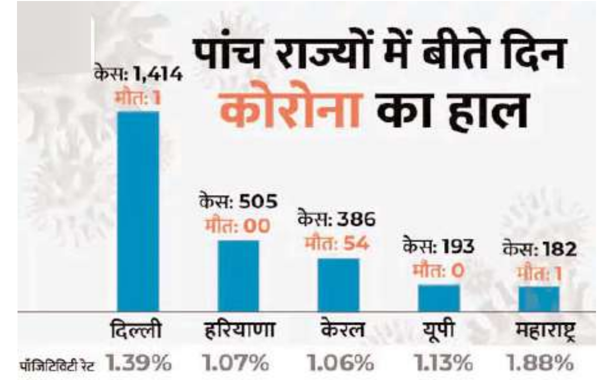

कोरोना हॉटस्पाट बना हुआ है दिल्ली

दिल्ली कोरोना का हॉटस्पाट बना हुआ है, यहां बीते कई दिनों से लगातार हजार से ज्यादा केस सामने आ रहे हैं। मंगलवार को दिल्ली में कोरोना के 1,414 नए मामले सामने आए। इससे पहले राजधानी में 1,076 केस मिले थे। बीते दिन दिल्ली में कोरोना से एक मरीज की मौत हो गई। यहां कोरोना के एक्टिव मामलों की संख्या 5,986 हो गई है। अन्य राज्यों में कोरोना की स्थिति की बात करें तो महाराष्ट्र में 182 केस सामने आए और एक मरीज की मौत हो गई। वहीं, उत्तर प्रदेश में 193 केस, हरियाणा में 505 केस और केरल में 386 मामले सामने आए हैं। वहीं 24 घंटे में हुई 54 मौतों में से 52 सिर्फ केरल में हुई हैं।

कोवोवैक्स टीके की कीमत 900 रुपए से घटकर 225 रुपए हुई:- सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने मंगलवार को कोवोवैक्स टीके की कीमत में भारी कटौती की है। स्ढ्ढ ने हर खुराक की कीमत 900 रुपए से घटाकर 225 रुपए कर दी है। इसमें टैक्स शामिल नहीं है। 12-17 वर्ष की आयु के बच्चों के कोविड-19 टीकाकरण के लिए कोवोवैक्स को कोविन पोर्टल पर सोमवार को ही शामिल किया गया है।

महाराष्ट्र में अजान-हनुमान चालीसा पर विवाद : राज बोले

लाउडस्पीकर पर अजान जारी रही, तो हनुमान चालीसा भी चलेगा

मुंबई

महाराष्ट्र पुलिस की सख्ती के बावजूद महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना चीफ राज ठाकरे अजान के दौरान दोगुनी आवाज में हनुमान चालीसा बजाने के फैसले पर अड़े हुए हैं। इस बीच मनसे चीफ ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर लाउडस्पीकर विवाद पर अपना पक्ष रखा है। उन्होंने घोषणा की- अजान के वक्त मस्जिदों के बाहर हनुमान चालीसा तब तक चलेगा जब तक अवैध लाउडस्पीकर हटाए नहीं जाते। अगर सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेश पालन नहीं कर रही है तो कोर्ट क्या एक्शन लेगा। एनसीपी चीफ शरद पवार ने भी मुंबई में

MVA की एक बैठक बुलाई है। इसमें आदित्य ठाकरे, बालासाहब थोराट, अजित पवार समेत कई बड़े मंत्री मौजूद हैं।

बाला साहब का वीडियो किया शेयर:- विवाद के बीच राज ठाकरे ने बाला साहेब का एक पुराना वीडियो शेयर किया है, इसमें बाला साहेब सरकार आने पर मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने की बात कह रहे हैं इस वीडियो में बाला साहेब कहते हैं, %जिस समय मेरी सरकार महाराष्ट्र में आएगी उस समय रास्ते में हो रहे नमाज को बंद करवाएं बिना हम नहीं रहेंगे। धर्म ऐसा होना चाहिए जो राष्ट्रहित के आड़े ना आए। हमारे हिंदू कुछ गलत करते हैं तो मुझे आकर बताओ, उस पर हल निकालेंगे, लाउडस्पीकर मस्जिद से नीचे आएंगे।

औरंगाबाद में राज पर केस, गिरफ्तारी संभव

इधर राज ठाकरे पर औरंगाबाद में भड़काऊ भाषण का केस भी दर्ज हो गया है। अब उन पर गिरफ्तारी की तलवार लटकती नजर आ रही है। इसके बावजूद उन्होंने रूह्रस् कार्यकर्ताओं से अपनी ताकत दिखाने को कहा है। इसके बाद ठाणे के चारकोप इलाके में सुबह 5 बजे नमाज के दौरान रूह्रस् कार्यकर्ताओं ने लाउडस्पीकर पर हनुमान चालीसा बजाया। वहीं, नासिक में नमाज के दौरान हनुमान चालीसा बजाने पर 7 महिला कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है।

राणा दंपती को जमानत : कोर्ट की चेतावनी- दोबारा विवाद न हो;

जेल से अस्पताल पहुंचीं नवनीत, BMC की टीम घर पर मौजूद

नई दिल्ली। 23 अप्रैल से राजद्रोह के आरोप में भायखला जेल की सलाखों के पीछे कैद अमरावती से निर्दलीय सांसद नवनीत राणा और उनके विधायक पति रवि राणा को मुंबई सेशन कोर्ट ने जमानत दे दी है। 30 अप्रैल को ही अदालत ने इस मामले में 2 मई तक के लिए अपना जजमेंट रिजर्व कर लिया था। अदालत ने सशर्त जमानत दी है और कहा है कि आने वाले समय में राणा दंपती इस तरह का कोई और विवाद नहीं करेंगे। इसके अलावा वे सबूतों से छेड़छाड़ नहीं करेंगे और इस पूरे मामले में कोई प्रेस कॉन्फ्रेंस भी नहीं करेंगे। दोनों को 50 हजार रुपए के निजी मुचलके पर यह बेल दी गई है। इस बीच, नवनीत राणा भायखला जेल से रिहा हो चुकी हैं। वह इलाज के लिए मुंबई के जे.जे अस्पताल पहुंची हैं। नवनीत को देर रात ही पीठ दर्द की शिकायत हुई थी। वहीं, बृहन्मुंबई महानगर पालिका राणा दंपती के खार स्थित फ्लैट के बाहर पहुंच चुकी है। इससे पहले BMC ने घर के बाहर एक नोटिस चिपकाया था, जिसमें बुधवार को फ्लैट के निरीक्षण और अवैध निर्माण के जांच की बात कही गई थी।

न्यूज़ ब्रीफ

ललितपुर में किशोरी से एसएचओ ने किया रेप : भोपाल में 4 लड़कों ने 3 दिनों तक किया दुष्कर्म; 29 पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

ललितपुर। ललितपुर में 13 साल की किशोरी ने एसएचओ पर रेप का आरोप लगाया है। किशोरी की मां ने तहरीर दी है। इसमें बताया है कि एसएचओ तिलकधारी सरोज ने कमरे में ले जाकर दुष्कर्म किया। घटना सामने आने के बाद से एसएचओ फरार है। वहीं, स्क्क ने आरोपी एसएचओ को सस्पेंड कर दिया है। वहीं डीआईजी ने पूरे थाने को लाइन हाजिर कर दिया है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने ट्वीट करके यूपी सरकार पर निशाना साधा। प्रियंका गांधी ने कहा कि %बुलडोजर के शोर में कानून व्यवस्था के असल सुधारों को कैसे दबाया जा रहा है। अगर महिलाओं के लिए थाने ही सुरक्षित नहीं होंगे तो वो शिकायत लेकर जाएंगी कहां।

पाली थाना लाइन हाजिर:- ,ष्ठत्र जोन भानु भास्कर ने थाना पाली के पूरे स्टाफ को लाइन हाजिर कर दिया है। इसमें 6 स्ढ्ढ, 6 हेड कॉन्स्टेबल, 10 सिपाही, 5 महिला आरक्षी, 1 चालक एक फालोअर शामिल हैं। मामले की जांच झांसी ष्ठढ्ढत्र जोगेंद्र सिंह को सौंपी है।,ष्ठत्र ने 24 घंटे में जांच पूरी करने के निर्देश दिए हैं। वहीं पीड़ित किशोरी का मेडिकल कराया जा रहा है। इसके साथ ही आरोपी मौसी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

भोपाल में 4 लड़कों ने 3 दिन तक किया रेप:- सोमवार को चाइल्ड लाइन की टीम को मां ने बताया कि 22 अप्रैल को चंदन, राजभान, हरिशंकर और महेंद्र चौरसिया किशोरी को बहला-फुसलाकर भोपाल ले गए थे। वहां 3 दिनों तक उसके साथ रेप किया। 25 अप्रैल को पाली कस्बे के थाने में छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने किशोरी की मौसी को बुलाकर उसे सौंप दिया। 27 अप्रैल को एसएचओ ने बयान के लिए थाने बुलाया। आरोप है कि जहां देर शाम किशोरी को अपने कमरे में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया।

जहांगीरपुरी के बाद शाहीन बाग में चलेगा बुलडोजर

9 से 13 मई तक एमसीडी चलाएगा अभियान, 8 वार्डों में होगी कार्यवाही

नई दिल्ली

दिल्ली के जहांगीरपुरी में बुलडोजर चलाने के बाद अब साउथ एमसीडी शाहीन बाग सहित कई क्षेत्रों में अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाएगा। इसके लिए नगर निगम ने पुलिस से मदद भी मांगी है। ये अभियान 9 से 13 मई तक 8 वार्डों में चलाया जाएगा। ये जानकारी साउथ एमसीडी के अध्यक्ष राजपाल सिंह ने दी है।

इन इलाकों को किया गया सिलेक्ट:- नगर निगम ने यह अभियान 30 अप्रैल से शुरु किया है, जो 4 से 6 मई तक जारी रहेगा। इसके अलावा दिल्ली के कालिंदी कुंज, जसोला, एमजी रोड, मेन रोड शाहीन बाग, बोध धरम मंदिर, मेहरचंद मार्केट, धीरसेन मार्ग, खाड़ा कालोनी इन सभी जगह पर 9 से 13 मई तक

अतिक्रमण हटाए जाएंगे। बुधवार सुबह तुगलकाबाद की शूटिंग रेंज से अतिक्रमण हटाने की शुरुआत कर दी गई है।

डीसीपी के पत्र लिखकर मांगी पुलिस फोर्स

साउथ एमसीडी के अध्यक्ष राजपाल सिंह ने कहा कि एमसीडी दक्षिण दिल्ली के कई हिस्सों में अतिक्रमण विरोधी अभियान चला रहा है। इसके लिए ष्ठष्टक्क को पत्र लिखकर पुलिस फोर्स की मदद मांगी गई है।

शूटिंग रेंज से करेंगे शुरुआत

साउथ एमसीडी के अध्यक्ष ने कहा- हमने अवैध निर्माण को गिराने का प्लान12-13 दिन पहले बनाया था। जिसमें सुरक्षा व्यवस्था एक बड़ा मुद्दा था। इसे लेकर पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक हुई। इसकी शुरुआत हम शूटिंग रेंज से करेंगे। उन्होंने कहा कि अवैध निर्माण और अतिक्रमण हटाने के लिए नोटिस देने की जरूरत नहीं होती। जिन लोगों ने करण सिंह स्टेडियम रोड की सरकारी जमीनों पर कब्जा कर रास्ता बंद किया है उसको आज पूरी तरह से मुक्त कराने की योजना है।

20 अप्रैल को हुई थी जहांगीरपुरी में कार्रवाई:- इसके पहले जहांगीरपुरी में हनुमान जयंती की शोभायात्रा के दौरान पत्थरबाजी और हिंसा हुई थी। हिंसा के बाद एमसीडी और प्रशासन सख्त हो गया। 20 अप्रैल को प्रशासन ने अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चलाया।

फाइजर पर लगे मुनाफाखोरी के आरोप

पहली तीमाही में 77 फीसदी ज्यादा हुआ प्रॉफिट मोनोपॉली बनाए रखने महंगी वैक्सीन बेच रही कंपनी

वाशिंगटन

कोरोना काल में लोगों की जान बचाने फार्मा कंपनी फाइजर ने वैक्सीन और दवा बनाई। इस साल के शुरुआती तीन महीनों में कंपनी को काफी फायदा हुआ, जिसके बाद फाइजर पर मुनाफाखोरी का आरोप लगा है। ग्लोबल जस्टिस नाउ, एक्ट-अप लंदन, जस्ट ट्रीटमेंट और स्टॉप एड्स के 35 ह्यूमन राइट कैंपेनर्स ने मुनाफाखोरी के खिलाफ आवाज उठाई है। ग्लोबल जस्टिस नाउ के टिम बिएर्ले ने कहा- महामारी के दौरान फाइजर ने अपनी वैक्सीन तकनीक और अन्य जानकारी शेयर करने से इनकार कर दिया। ऐसा करके लाखों जानें बचाई जा सकती थीं। वैक्सीन कंपनी किसी भी कीमत पर पेटेंट अपने पास रखना चाहती है। कंपनी ने वैक्सीन की वैश्विक आपूर्ति को रोककर मोनोपॉली बनाए रखी है। फाइजर के लिए लोगों की जान से ज्यादा प्रॉफिट मायने रखता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, साल 2022 के पहले क्वाटर में फाइजर की टोटल सेल्स 25.7 अरब डॉलर रही, जो पिछले साल की तुलना

में 77 फीसदी ज्यादा है। टोटल सेल्स में से 13.2 अरब डॉलर की कमाई जर्मनी के बायोएनटेक के साथ बनाई गई कोमिरनेटी वैक्सीन से हुई। इसके अलावा 1.5 अरब डॉलर की कमाई पैक्सलोविड टैबलेट से हुई। इस दवाई को अमेरिका में दिसंबर में मंजूरी मिली थी। ब्रिटेन और यूरोपीय संघ ने भी इसे मंजूरी दी है। फाइजर और बायोएनटेक छह महीने से चार साल तक के बच्चों को दी जाने वाली वैक्सीन के लिए भी मंजूरी मांग रहे हैं।

मुनाफा कमा रहीं वैक्सीन कंपनियां:- नए वैरिएंट और बूस्टर डोज को वैक्सीन कंपनियां कमाई का जरिया बना रही हैं। कोरोना का डर दिखाकर दुनिया भर में वैक्सीन कंपनियों की मनमानी चल रही है। पीपुल्स वैक्सीनेशन अलायंस के एक एनालिसिस के मुताबिक, फाइजर ने 2021 में हर सेकेंड 1 हजार डॉलर का मुनाफा कमाया। ब्रिटिश अखबार द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक, फाइजर को वैक्सीन का एक डोज तैयार करने में 1 डॉलर यानी करीब 75 रुपए खर्च आता है। इसे कंपनी 30 डॉलर में बेचती है। यूके जैसे देश 30 गुना ज्यादा कीमत देकर फाइजर की वैक्सीन खरीद रहे हैं। फाइजर का कहना है कि वैक्सीन डोज की कीमत बिल्कुल लॉजिकल है।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्तम्भ

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूव्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

न्यूज ब्रीफ

जोकोविच धमाकेदार जीत से मैड्रिड ओपन के तीसरे दौर में पहुंचे

मैड्रिड । नोवाक जोकोविच ने अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में वापसी के संकेत देते हुए गेल मोनफिल्स को सीधे सेटों में करारी शिकस्त देकर मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में प्रवेश किया जहां उनका मुकाबला एंडी मर्रे से होगा। जोकोविच ने मोनफिल्स को 6-3, 6-2 से हराने के बाद इसे इस साल का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करार दिया। सर्बियाई खिलाड़ी ने पांच ब्रेक प्वाइंट बचाये जबकि तीन बार फ्रांसीसी खिलाड़ी मोनफिल्स की सर्विस तोड़ी। शीर्ष वरीयता प्राप्त जोकोविच ने कहा, 'मैं इसे संभवत- साल के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के रूप में देखता हूं। मुझे कोर्ट पर बहुत अच्छा लगा। यह बहुत अच्छा प्रदर्शन था। मैं बहुत खुश हूं।% मैड्रिड में तीन बार के विजेता जोकोविच का अगला मुकाबला यहां दो बार के चैंपियन मर्रे से होगा, जिन्होंने डेनिस शापोवालोव पर 6-1, 3-6, 6-2 से हराया। स्पेन के कार्लोस अल्कराज ने निकोलस बेसिलशविली पर 6-3, 7-5 से जीत के साथ अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा। इससे पहले रूस के आंद्रे रूबलेव ने ब्रिटेन के 20 वर्षीय जैक ड्रेपर को 2-6, 6-4, 7-5 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। मारिन सिलिच ने अल्बर्ट रामोस विनोलस को 6-3, 3-6, 6-4 से हराया, जबकि अमेरिका के फ्रांसेस टियाफो और जेनसन ब्रूक्सबी अपने पहले दौर के मैच सीधे सेटों में हार गए। टियाफो को क्रिस्टियन गारिन ने 6-1, 6-3 से और ब्रूक्सबी को रॉबर्टो बॉतिस्ता आगुट ने 6-0, 6-2 से पराजित किया। एक अन्य मैच में सेबस्टियन कोर्डा ने हमवतन अमेरिकी रीली ओपेल्का को 6-3, 7-5 से हराया। महिलाओं के वर्ग में अमेरिका की जेसिका पेगुला ने बियांका आंद्रीस्कू को 7-5, 6-1 से और स्पेन की सारा सोरिब्स टॉर्मो ने दारिया कसातकिना को 6-4, 1-6, 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

युएफा ने रूस की फुटबॉल टीमों पर प्रतिबंध लगाया

जिनेवा। रूस की फुटबाल टीमों को महिला यूरोपीय चैम्पियनशिप, पुरूषों की चैम्पियंस लीग और 2023 महिला विश्व कप क्वालीफाइंग से बाहर कर दिया गया है। युएफा ने यूक्रेन पर रूस के सैन्य हमले के चलते ये प्रतिबंध लगाए हैं। इससे पहले फरवरी में फीफा और युएफा ने रूस की राष्ट्रीय और क्लब टीमों के अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खेलने पर प्रतिबंध लगा दिया था जिसमें पुरूषों का विश्व कप प्लेआफ शामिल है। उन फैसलों के खिलाफ रूसी फुटबॉल संघ ने खेल पंचाट में अपील डाली है। ताजा प्रतिबंधों के खिलाफ भी अपील डाले जाने की संभावना है। युएफा ने सोमवार को कहा कि इंग्लैंड में जुलाई में होने वाले महिला यूरो 2022 में रूस की जगह पुर्तगाल लेगा। रूस ने प्लेआफ में पुर्तगाल को हराकर क्वालीफाई किया था। वहीं चैम्पियंस लीग में रूसी प्रीमियर लीग विजेता जेनित सेंट पीटर्सबर्ग की जगह स्कॉटलैंड की चैम्पियन टीम लेगी। इस सत्र का चैम्पियंस लीग फाइनल भी रूस की बजाय अब पेरिस में होगा । रूस को अगले सत्र में यूरोपा लीग और यूरोपा कांफ्रेंस लीग में भी जगह नहीं मिलेगी।

तालिबान संघर्ष में खो गया बचपन : मजबूरी में पाकिस्तान गए अफगान स्पिनर राशिद खान, मां बनाना चाहती थी डॉक्टर लेकिन बन गए क्रिकेटर

नई दिल्ली

राशिद खान का नाम अब किसी पहचान का मोहताज नहीं है। कभी जान बचाने के लिए पिता के साथ अफगानिस्तान से पाकिस्तान जाने जाने वाले राशिद आज करोड़ों लोगों के रोल मॉडल हैं। इस चैंपियन खिलाड़ी ने आईपीएल के जरिए दुनियाभर में लोकप्रियता हासिल की है। 2017 में विश्व की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग आईपीएल में डेब्यू करने वाले राशिद की तमन्ना कभी भी क्रिकेटर बनने की नहीं थी। मां चाहती थी कि बेटा डॉक्टर बने और बेटा भी हर कीमत पर मां के ख्वाब पूरे करना चाहता था, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था।

युद्ध ने बचपन बर्बाद कर दिया

20 सितंबर 1998 को अफगानिस्तान के नानगरहार प्रांत में जन्मे राशिद का शुरुआती दौर खून-खराबे के बीच गुजरा। 2001 में अफगानिस्तान में छिड़े युद्ध ने राशिद से उनका बचपन छीन लिया। तालिबान और अमेरिका के बीच चल रहे भीषण संघर्ष के कारण राशिद को पाकिस्तान बॉर्डर के पास रिफ्यूजी कैंप में रहना पड़ा।

कमरे से बाहर निकलने पर थी सख्त पाबंदी

युद्धग्रस्त अफगानिस्तान में बीते 3 दशकों से जिंदगी बहुत सस्ती रही है। ऐसे में राशिद के माता-पिता ने उन्हें सख्ती से निर्देश दे रखा था कि चाहे कुछ भी हो जाए, तुम्हें घर से बाहर नहीं निकलना है। एक बार राशिद चोरी-छिपे क्रिकेट खेलने गए और फील्डिंग के दौरान उनका हाथ खून से लथपथ हो गया। घर पर भेद न खुल जाए, इस कारण राशिद ने 3 सप्ताह तक बगैर किसी को कानों-कान खबर होने दिए सारा दर्द चुपचाप सहा। जब वर्षों तक अफगानिस्तान के हालात नहीं बदले तो राशिद परिवार के साथ पाकिस्तान चले गए। पाकिस्तान में तब शाहिद अफरीदी का जुनून लोगों के सिर चढ़कर बोलता था। बूम-बूम अफरीदी जब बैटिंग पर आते थे तो लोग सिर्फ छक्कों की आस में टीवी स्क्रीन पर नजरें गड़ाए रहते थे।

मां से सबसे ज्यादा जुड़े थे राशिद, अंग्रेजी बोलने का भी लगा था चस्का:- वह किसी भी कीमत पर अपनी मां का दिल नहीं तोड़ सकते थे। राशिद समूची कायनात में अपनी मां से सबसे ज्यादा मोहब्बत करते थे। राशिद की मां अक्सर बीमार रहा करती थीं। ऐसे में मां को लगता था कि अगर बेटा डॉक्टर बन जाएगा तो उसका इलाज ठीक से हो सकेगा। एक बार अचानक राशिद पर अंग्रेजी बोलने का जुनून सवार हो गया। मैट्रिक की परीक्षा देने के बाद उन्होंने 6 महीनों तक इंग्लिश की स्पेशल ट्यूशन ली। फिर खुद अंग्रेजी सीखने के बाद 6 महीने तक इंग्लिश की ट्यूशन भी पढ़ाई।

गुजरात की हार के दोषी गिल

पंजाब के खिलाफ 9 रन बनाकर आउट हुए, पिछली पांच पारियों में बनाए सिर्फ 69 रन

नई दिल्ली

आईपीएल2022 के 48वें मैच में पंजाब किंग्स ने गुजरात टाइटन्स को एकतरफा मुकाबले में 8 विकेट से हरा दिया। जीत के रथ पर सवार गुजरात की 10 मैचों में ये केवल दूसरी हार है। टीम की इस हार के सबसे बड़े मुजरिम ओपनर शुभमन गिल रहे।

9 रन बनाकर हुए आउट

गुजरात के कप्तान हार्दिक पंड्या ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया था। मैच में गिल से बड़ी पारी की उम्मीद थी, लेकिन वह 6 गेंदों में केवल 9 रन बनाकर आउट हो गए। गिल तीसरे ओवर की पहली गेंद पर रन आउट हुए। शुभमन ने ऑफ स्टंप के बाहर पहली गेंद को कवर की दिशा में खेला और सिंगल के लिए दौड़ पड़े, लेकिन कवर पर फील्डिंग कर रहे ऋषि धवन ने गेंद को पकड़ा और तेजी से थ्रो कर दिया। गेंद डायरेक्ट थ्रो के साथ नॉन स्ट्राइक पर जा लगी और गिल रन आउट हुए। अपने विकेट के बाद वह गुस्से में भी नजर आए। दरअसल, शुभमन गिल का ऐसा मानना था कि गेंदबाज संदीप शर्मा उनके रास्ते में आ रहे थे।

8 विकेट से हारी गुजरात

48वें मैच में पंजाब किंग्स ने गुजरात को 8 विकेट से हराया। पंजाब के सामने 144 रन का टारगेट था, जिसे टीम ने 16 ओवर के खेल में 2 विकेट खोकर हासिल कर लिया। शिखर धवन ने नाबाद 62 रन बनाए और टॉप स्कोरर रहे। वहीं, लियाम लिविंगस्टोन ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए केवल 10 गेंदों पर नाबाद 30 रन बनाए।

शुरुआती मैचों में लगाई लगातार 2 फिफ्टी

टूर्नामेंट में गुजरात ते पहले ही मैच में गिल शून्य पर आउट हुए थे, लेकिन इसके बाद दूसरे और तीसरे मैच में उन्होंने लगातार 2 फिफ्टी लगाई। दिल्ली के खिलाफ गिल ने 46 गेंदों पर 84 रन बनाए, जबकि पंजाब के खिलाफ उनके बल्ले से 59 गेंदों पर 96 रन देखने को मिले। इसके बाद मानो उनके बल्ले को जंग सी लग गई। लगातार 5 पारियों में फ्लॉप होने के बाद शुभमन ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के 31 रन जरूर बनाए, लेकिन उसमें भी उन्होंने 28 गेंदों का सामना किया। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ तो गोल्डन डक पर आउट हुए थे।

अब तक 27 की औसत से बनाए रन:- आईपीएल 2022 में शुभमन गिल ने 10 पारियों में 26.90 की औसत से 269 रन बनाए हैं। उनके नाम सिर्फ 2 अर्धशतक दर्ज है। गुजरात टाइटन्स की टीम 10 में से 8 मैच जीत चुकी है और लगभग प्लेऑफ में टीम की जगह पक्की है। हार्दिक एंड कंपनी को अगर टूर्नामेंट जीतना है, तो गिल को जल्दी लय में लौटना होगा।

डेविड वॉर्नर का दिखा अलग अंदाज

बैटिंग के बाद अब बॉलिंग से बरपाया कहर

बल्लेबाज को किया चारों खाने चित

नई दिल्ली

डेविड वॉर्नर विश्व क्रिकेट के सबसे खतरनाक बल्लेबाजों में शुमार किए जाते हैं। इसके अलावा वॉर्नर सोशल मीडिया सेंसेशन हैं। उनका हर अंदाज फैंस के दिल में उतर जाता है। पुष्पा से लेकर रॉकी भाई तक, वॉर्नर ने हर किरदार को बखूबी निभाया है। ऐसे में अब उन्होंने अपने खेल को बदलने का फैसला किया है। वॉर्नर बैटिंग के साथ-साथ बॉलिंग में भी हाथ आजमाते नजर आ रहे हैं। लेग स्पिनर वॉर्नर का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर धूम मचा रहा है।

बेहतरीन रहा कंगारू ओपनर का बॉलिंग स्पेल

वीडियो में नजर आता है कि वॉर्नर पूरी गंभीरता के साथ बॉलिंग के मूड में हैं। उनकी पहली गेंद बल्लेबाज के थाई पैड पर लगती है, जिस पर वॉर्नर इशारा करते हुए कहते हैं कि यह लेग स्पिन हुई थी। बल्लेबाज कोई प्रतिक्रिया नहीं देता और दूसरी गेंद पर वॉर्नर के सर के ऊपर से करारा प्रहार करता है। वॉर्नर हार नहीं मानते और फील्डर की ओर उम्मीद भरी निगाहों से देखते हैं। परिणाम यह होता है कि कैच पकड़ लिया जाता है। इसके बाद तालियां पीटते हुए वॉर्नर आउट का इशारा करते हैं। तीसरी गेंद पर बल्लेबाज कोई रिस्क नहीं लेता और यॉर्कर लेंथ की उस गेंद को डिफेंड करता है।

6 फुट 5 इंच लंबे टेनिस प्लेयर केविन एंडरसन का 35 की उम्र में संन्यास

लंदन

दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी और दो बार के ग्रैंडस्लैम उप विजेता केविन एंडरसन ने मंगलवार को 35 साल की उम्र में पेशेवर टेनिस से संन्यास ले लिया। छह फुट आठ इंच लंबे एंडरसन 2017 में यूएस ओपन के फाइनल में राफेल नडाल से हार गये थे। इसके बाद वह 2018 में विंबलडन के फाइनल में पहुंचे थे जहां उन्हें नोवाक जोकोविच से हार झेलनी पड़ी थी। एंडरसन ने सात एटीपी टूर खिताब जीते। इनमें पिछले साल जुलाई में न्यूपोर्ट में जीता गया हाल ऑफ फेम टेनिस चैंपियनशिप भी शामिल है। उन्होंने कहा- टेनिस के कारण मैं दक्षिण अफ्रीका में जोहानिसबर्ग में अपनी जड़ों से बाहर निकलकर वास्तविक दुनिया से रूबरू हुआ। इससे मुझे कई तरह की चुनौतियों और भावनाओं का अनुभव हुआ।

लिविंगस्टोन ने लगाया आईपीएल का सबसे लंबा छक्का : 117 मीटर का छक्का देख शमी रह गए हैरान, बल्ला जांचने लगे राशिद

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में मंगलवार को गुजरात टाइटन्स और पंजाब किंग्स के बीच खेले गए मैच में पंजाब के बल्लेबाज लियाम लिविंगस्टोन ने इस सीजन का सबसे लंबा छक्का जड़ा। मोहम्मद शमी की गेंद पर उन्होंने 117 मीटर लंबा सिक्स लगाया। गेंद स्टेडियम के बाहर जाकर गिरी। पंजाब की पारी के 16वें ओवर में गेंदबाज मोहम्मद शमी की पहली गेंद पर लिविंगस्टोन ने डीप स्क्वायर लेग पर 117 मीटर छक्का जमाया । इस शॉट को देखकर शमी भी हैरान रह गए। वहीं राशिद खान तो मजाकिया अंदाज में लिविंगस्टोन का बैट चेक करने तक पहुंच गए थे। लियाम यहीं नहीं रुके उन्होंने इसके बाद दो छक्के और लगाए। उन्होंने इस ओवर में 28 रन बनाए। लियाम ने अपनी पारी में 10 गेंदों का सामना कर नाबाद 30 रन बनाए। जिसमें 3 छक्के और 2 चौके भी शामिल हैं।

ब्रेविस का रिकॉर्ड तोड़ा

उनसे पहले इस सीजन में सबसे लंबा सिक्स लगाने का रिकॉर्ड मुंबई के बल्लेबाज डेवॉल्ड ब्रेविस के नाम था। उन्होंने 112 मीटर लंबा छक्का जमाया था।

सबसे लंबा छक्का लगाने में तीसरे और पांचवें नंबर पर भी लियाम:- वहीं इस सीजन में सबसे लंबा छक्का लगाने में तीसरे और पांचवें नंबर पर भी लियाम ही हैं। लियाम ने 108 और 106 मीटर लंबा छक्का जमा चुके हैं। वहीं चौथे नंबर पर जोस बटलर हैं। उन्होंने 107 मीटर लंबा छक्का लगाया था। पंजाब किंग्स ने गुजरात टाइटन्स को एकतरफा मुकाबले में 8 विकेट से हराया। पंजाब के सामने 144 का टारगेट था, जिसे टीम ने 16 ओवर के खेल में 2 विकेट खोकर हासिल कर लिया। शिखर धवन ने नाबाद 62 रन बनाए और टॉप स्कोरर रहे।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा सयुंक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle), ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

पहली तिमाही में कम रहेगी राज्यों की उधारी : इक्रा

नई दिल्ली। बाजारों से राज्य सरकारों की उधारी वित्त वर्ष 23 की पहली तिमाही में 50,000 करोड़ रुपये कम रहकर 1.4 लाख करोड़ रुपये रह सकती है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि वित्त वर्ष 22 के अंत तक केंद्र द्वारा बड़े पैमाने पर धन हस्तांतरण के कारण यह संभावना है। वित्त वर्ष 23 में 1 अप्रैल से 2 मई के बीच सिर्फ आंध्र प्रदेश (44 अरब रुपये), महाराष्ट्र (40 अरब रुपये) पंजाब (25 अरब रुपये) और हरियाणा (15 अरब रुपये) ने राज्य विकास ऋण (एसडीएल) से जुटाए हैं। कुल मिलाकर इन राज्यों ने 124 अरब रुपये उधार लिए हैं। यह 19 राज्यों द्वारा शुरुआत में दिए गए 672 अरब डॉलर उधारी के संकेत की तुलना में करीब 82 प्रतिशत कम है। भारत सरकार ने वित्त वर्ष 22 के दौरान राज्यों को उल्लेखनीय रूप से 8.8 लाख करोड़ रुपये जारी किए हैं, जो वित्त वर्ष 22 के संशोधित अनुमान में 7.4 लाख करोड़ रुपये था। रेटिंग एजेंसी के आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 22 में 8.8 लाख करोड़ रुपये का करीब आधा चौथी तिमाही में जारी किया गया था। वित्त वर्ष 22 के दौरान धन जारी किए जाने के बाद केंद्र सरकार ने मार्च 2022 के अंत में 951 अरब रुपये जारी किए। रिजर्व बैंक द्वारा वित्त वर्ष 23 की पहली तिमाही की उधारी की जरूरतों को अंतिम रूप देने के पहले ऐसा किया गया। इसकी वजह से राज्यों के पास पर्याप्त नकदी हो गई। इक्रा ने कहा कि इसकी वजह से राज्यों के पास अपने व्यय की जरूरतें पूरी करने के लिए उधारी से धन जुटाने की आवश्यकता कम हो गई।

एरिस लाइफसाइंसेस ने 650 करोड़ रुपये में ओकनेट हेल्थकेयर का अधिग्रहण किया

नई दिल्ली। एरिस लाइफसाइंसेस ने मुंबई की दवा कंपनी ओकनेट हेल्थकेयर का 650 करोड़ रुपये में अधिग्रहण कर लिया है। एरिस लाइफसाइंसेस ने बुधवार को एक बयान में बताया कि यह अधिग्रहण शेयर खरीद समझौते के जरिए पूरा होगा और उसके बाद ओकनेट उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी बन जाएगी। इसमें कहा गया है कि इस सौदे के लिए 300 करोड़ रुपये की राशि आंतरिक उपार्जन के जरिए मिलेगी और 350 करोड़ रुपये का कर्ज लिया जाएगा। एरिस लाइफसाइंसेस के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अमित बक्शी ने कहा कि ओकनेट इस कंपनी को त्वचा देखभाल और सौंदर्य के क्षेत्रों में वृद्धि के अवसर प्रदान करेगी। ओकनेट त्वचा विज्ञान और सौंदर्य प्रसाधन उत्पादों का एक जानामाना ब्रांड है।

पीरामल एंटरप्राइजेज बांड जारी करके 700 करोड़ रुपये जुटाएगी

नई दिल्ली। पीरामल एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने बुधवार को कहा कि उसके निदेशक मंडल की प्रशासनिक समिति ने निजी नियोजन के आधार पर गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) जारी करके 700 करोड़ रुपये जुटाने की मंजूरी दे दी है। पीरामल एंटरप्राइजेज ने शेयर बाजारों को बताया कि समिति ने बुधवार को हुई बैठक में निजी नियोजन के आधार पर एनसीडी जारी करने की मंजूरी दी है। इस निर्गम का आकार 50 करोड़ रुपये होगा। इसमें, 650 करोड़ रुपये के अभिदान को रखने का विकल्प भी होगा जिसके साथ यह 700 करोड़ रुपये का हो जाएगा।

अब फ्री नहीं होगा ट्विटर : ट्विटर यूज करने के लिए अब जल्द ही देना होगा चार्ज

नई दिल्ली

एलन मस्क ने जब से ट्विटर को खरीदा है, तभी से आशंका थी कि ट्विटर की सर्विस ज्यादा दिन तक फ्री नहीं मिलने वाली है। दुनिया के सबसे बड़े अमीर बिजनेसमैन ने इन आशंकाओं का खुद ही क्लियर कर दिया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा है कि इस प्लेटफॉर्म के कॉमर्शियल और सरकारी यूजर को इसके इस्तेमाल के लिए पैसे खर्च करने पड़ेंगे। उन्होंने साधारण यूजर को लेकर भी स्थिति साफ कर दी है।

एलन मस्क ने एक ट्वीट किया है, जिसमें उन्होंने लिखा, कैजुअल यूजर्स के लिए ट्विटर हमेशा फ्री रहेगा, लेकिन कॉमर्शियल/सरकारी यूजर्स को शायद थोड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है।

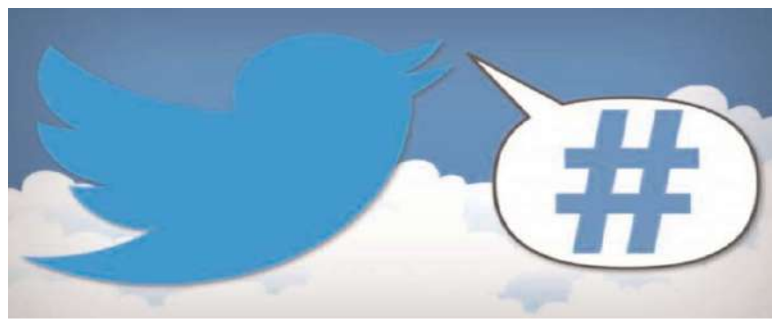

एलन मस्क से नौकरी मांग रहे लोग

कुछ दिन पहले मस्क के ट्विटर हैंडर को टैग करते हुए उनके फैन्स ट्विटर पर भविष्य में रोजगार को लेकर रिक्वेस्ट भी कर चुके हैं। इसमें पोलिंग ऐप tbh के को-फाउंडर निकिता बियर ने ट्वीट किया कि मुझे ट्विटर पर प्रोडक्ट के वाइस प्रेसीडेंट के तौर हायर किया जाए। पोस्ट में उन्होंने लिखा कि वे सोशल मीडिया ऐप्स को 11 साल से डेवलप कर रहे हैं।

एलन मस्क को पुराने मैनेजमेंट पर भरोसा नहीं

खबर है कि एलन मस्क ने ट्विटर के नए सीईओ को ढूंढ़ लिया है। हालांकि, अभी उनके नाम की जानकारी सामने नहीं आई है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक मस्क ने ट्विटर के चेयरमैन ब्रेट टेलर से बताया कि उन्हें कंपनी के मैनेजमेंट पर बिल्कुल भी भरोसा नहीं है। इस बात को वह सिक्योरिटी एक्सचेंज कमिशन में भी कह चुके हैं। वह कंपनी की कॉस्ट कम करने के लिए बोर्ड और एग्जीक्यूटिव की सैलरी कम करेंगे।

वेरिफाइड ट्वीट को इम्बेड या कोट करने पर पैसे चुकाने होंगे:- वेरिफाइड ट्वीट को इम्बेड या कोट करने पर थर्ड पार्टी वेबसाइट से भी पैसा वसूलने की भी बात उन्होंने कही थी। साथ ही मस्क ने ब्लू टिक प्रीमियम सब्सक्रिप्शन सर्विस में बदलाव करने का सुझाव भी दिया था, इसमें इसकी कीमत करने वाली बात भी शामिल थी। अभी ट्विटर प्रीमियम ब्लू सर्विस की कॉस्ट 2.99 डॉलर है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में भी कहा गया है कि ट्विटर के लिए फंड जुटाने वाली पिच के दौरान एलन मस्क ने नौकरियों में कटौती का आइडिया पेश किया था। हालांकि इस तरह की चर्चा पर अभी तक ट्विटर की तरफ से कोई जवाब नहीं दिया गया है। एलन मस्क की कोशिश है कि आने वाले समय में ट्विटर को फेसबुक की तरह पैसा कमाने वाली कंपनी बनाया जा सके।

निर्यात में 24 फीसदी का इजाफा

कीव

रूस-यूक्रेन युद्ध और दुनिया भर में जिंसों की कीमतों में तेजी के बीच भारत से वस्तुओं एवं सेवाओं का निर्यात अप्रैल में 38.2 अरब डॉलर पहुंच गया। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी अंतरिम आंकड़ों के अनुसार अप्रैल में देश का निर्यात 24.2 फीसदी बढ़ा है, जो अब तक की तीसरी सबसे उच्च वृद्धि है। मार्च में 42.2 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं का निर्यात हुआ था। हालांकि इस दौरान आयात भी 26.6 फीसदी बढ़कर 58.3 अरब डॉलर रहा। इससे अप्रैल में व्यापार घाटा बढ़कर 20.1 अरब डॉलर पहुंच गया। पेट्रोलियम उत्पादों (113.2 फीसदी), इलेक्ट्रॉनिक्स (64 फीसदी), रसायन (26.7 फीसदी) के निर्यात में तेजी से अप्रैल में कुल निर्यात बढ़ा है। मगी इंजीनियरिंग वस्तुओं, पेट्रोरसायन, रेडीमेड कपड़ों के निर्यात में अपेक्षाकृत कम वृद्धि देखी गई और रत्न एवं आभूषण तथा चावल के निर्यात में इस दौरान गिरावट आई है।

अप्रैल में सोने का आयात 73 फीसदी घटकर 1.7 अरब डॉलर रहने के बावजूद आयात में इजाफा हुआ है। आयात में वृद्धि मुख्य रूप से कोयला (136.4 फीसदी), कच्चा तेल (81.2 फीसदी), रसायन (46.9 फीसदी), वनस्पति तेल (33.6 फीसदी) और इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं (28.6 फीसदी) का आयात बढने् के कारण हुई है। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि जिंसों की कीमतों में उल्लेखनीय कमी नहीं आती है तो वित्त वर्ष 2023 में ज्यदातर महीनों में व्यापार घाटा 20 अरब डॉलर से अधिक रहेगा। उन्होंने कहा, %व्यापार घाटे में बढ़ोतरी मुख्य रूप से तेल की वजह से हुई है। तेल से इतर व्यापार घाटा स्थिर बना हुआ है। इसके साथ ही कोयले तथा रसायन के आयात में बढ़ोतरी की भरपाई सोने के कम आयात ने कर दी। हालांकि रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण जिंसों के दाम में तेजी बनी रह सकती है, जिसका असर व्यापार घाटे पर दिखेगा।

इंजीनियरिंग निर्यात संवर्द्धन परिषद के चेयरमैन महेश देसाई ने कहा कि भू-राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद वित्त वर्ष 2022 से इंजीनियरिंग वस्तुओं के निर्यात में तेजी का रुख बना हुआ है। लेकिन ढुलाई की लागत बढने् और कच्चे माल की कीमतों में अप्रत्याशित बढ़ोतरी से इंजीनियरिंग सहित अन्य क्षेत्रों के निर्यात पर असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा, %संयुक्त अरब अमीरात और ऑस्ट्रेलिया के साथ व्यापार करार से इन क्षेत्रों के निर्यात को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। ब्रिटेन और कनाडा के साथ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौतों से देश के निर्यात को और बल मिल सकता है।

24 फरवरी को रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से ही वैश्विक अर्थव्यवस्था के परिदृश्य को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। विश्व व्यापार संगठन ने पिछले महीने 2022 में वैश्विक व्यापार अनुमान को 4.7 फीसदी से घटाकर 3 फीसदी कर दिया था। रूस-यूक्रेन युद्ध के साथ ही कोरोनावायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन की नई किस्म का चीन में प्रसार होने से भी वैश्विक व्यापार पर असर पडने् की आशंका है। वित्त वर्ष 2022 में 400 अरब डॉलर के निर्यात का आंकड़ा सफलतापूर्वक पार करने के बाद वाणिज्य मंत्रालय ने वैश्विक व्यापार की अनिश्चितता को देखते हुए वित्त वर्ष 2023 के लिए कोई नया निर्यात लक्ष्य तय नहीं किया है। भू-राजनीतिक तनाव की वजह से जिंसों की कीमतों में तेज इजाफा हुआ है। रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से खाद्यान्न, ईंधन और उर्वरकों की आपूर्ति बाधित होने की आशंका से इनकी कीमतों में खासी तेजी आई है।

एएआईबी करेगा स्पाइसजेट दुर्घटना मामले की जांच

नई दिल्ली

निजी क्षेत्र की विमानन कंपनी स्पाइसजेट की मुंबई-दुर्गापुर उड़ान रविवार शाम गंभीर विक्षोभ में फंस गई थी, जिसकी जांच विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) करेगा। नागर विमानन संगठन के नियमों के अनुसार इस मामले को दुर्घटना करार दिया गया है। इस घटना में दो यात्रियों को गंभीर चोट लगी है और वे दुर्गापुर के एक अस्पताल में आईसीयू में भर्ती हैं। चालक दल के सदस्यों और 15 अन्य यात्रियों को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। एएआईबी जांच के लिए अभी औपचारिक आदेश जारी नहीं किया गया है। नागर विमानन महानिदेशालय ने प्रारंभिक जांच की है और स्पाइसजेट के पूरे बेड़े की जांच शुरू की है। हवाई सुरक्षा और उड़ान परिचालन विभाग के अधिकारियों ने सभी विमानों के समुचित रखरखाव का पता लगाने के लिए जांच शुरू की है। डीजीसीए ने रविवार की घटना के बाद स्पाइसजेट के विमान सुरक्षा प्रमुख को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है। स्पाइसजेट का 737-800 बोइंग विमान 195 यात्रियों को लेकर दुर्गापुर जा रहा था, जहां उतरते समय वह गंभीर विभोक्ष में फंस गया। पायलटों को उड़ान भरने से पहले मौसम के बारे में बताया गया था और उन्हें एयर ट्रैफिक कंट्रोल से इसके बारे में चेतावनी भी जारी की गई थी तथा मौसम रडार बोर्ड पर भी इसकी सूचना दी गई थी। एक सूत्र ने कहा कि जिस विमान के साथ दुर्घटना हुई थी उसमें मौसम रडार का पुराना संस्करण लगा था और पायलटों को अपडेट के लिए उसकी सेटिंग को हाथ से दुरुस्त करना पड़ता है। इससे उनका काम बढ़ जाता है। इसके उलट नए संस्करण में मौसम रडार स्वत- काम करता है और तूफान आदि की जानकारी पहले ही दे देता है, जिससे क्रू सदस्यों का काम का बोझ भी कम होता है।

मनरेगा के तहत अप्रैल में कम लोगों ने मांगा काम

नई दिल्ली

अप्रैल 2022 में करीब 232.6 लाख परिवारों ने मनरेगा के तहत काम की मांग की है, जो पिछले साल की समान अवधि में इस योजना के तहत काम मांगने वालों की संख्या की तुलना में 11.15 प्रतिशत कम है। मनरेगा वेबसाइट पर उपलब्ध अनंतिम आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। हालांकि आंकड़ों से पता चलता है कि हाथ से काम करने वाले अस्थायी कामगारों की ओर से इस योजना के तहत मांग कम हुई है और ग्रामीण इलाकों में काम के अवसर में सुधार हुआ है। लेकिन आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि महामारी के पहले के वर्षों में योजना के तहत अप्रैल में काम की मांग की तुलना में अभी भी बड़ी संख्या में लोग मनरेगा के तहत रोजगार मांग रहे हैं। कुछ अर्थशास्त्रियों का कहना है कि इससे यह भी संकेत मिलता है कि ग्रामीण इलाकों में आर्थिक गतिविधियां गैर कृषि क्षेत्र में सुधरी हैं, लेकिन अभी भी कोविड-19 महामारी के पहले के स्तर पर नहीं पहुंची हैं। अप्रैल 2021 में इस योजना के तहत 261.8 लाख लोगों ने काम की मांग की, जबकि अप्रैल 2020 में 134.1 लाख परिवारों ने काम की मांग की थी। अप्रैल 2020 में मांग के आंकड़ों की तुलना सख्ती से पहले के वर्षों से नहीं की जा सकती है क्योंकि कोविड-19 के पहले लॉकडाउन की वजह से इस महीने में कामकाज सामान्य नहीं था। इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट आफ डेवलपमेंट रिसर्च (आईजीआईडीआर) के डायरेक्टर एस महेंद्र देव ने बिजनेस स्टैंडर्ड से कहा, %अप्रैल महीने में मनरेगा के तहत मांग में कमी की एक वजह हाथ से काम करने वाले अस्थायी श्रमिकों का ग्रामीण इलाकों से शहरों की ओर विस्थापन हो सकता है, क्योंकि होटलों, एयरलाइंस सहित सभी आर्थिक गतिविधियां पूरी तरह से बहाल हो गई हैं। साथ ही कोविड-19 की चौथी लहर बहुत गंभीर नहीं रही, जिसकी वजह से अन्य क्षेत्रों में मांग तेज हो रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले महीनों में मनरेगा के तहत काम की मांग कम हो सकती है।

एलआईसी आईपीओ : दो घंटे में ही 16.2 करोड़ शेयरों में से 4 करोड़ से ज्यादा पर बिडिंग

एलआईसी पॉलिसी होल्डर्स का 100 फीसदी कोटा भरा

नई दिल्ली

एलआईसी आईपीओ को आज खुलते ही बंपर ओपनिंग मिली है। देश का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ सुबह 10 बजे सब्सक्रिप्शन के लिए खुला और यह महज दो घंटे में ही 30 फीसदी सब्सक्राइब हो गया। इसमें पॉलिसी होल्डर्स के लिए रिजर्व किया गया (कुल शेसर्य का 10त्न) हिस्सा पूरा सब्सक्राइब हो चुका है। इसमें 16,20,78,067 शेयर बिक्री के लिए रखे गए हैं और अब तक 4 करोड़ से ज्यादा शेयर्स के लिए बोली मिल चुकी है। कर्मचारियों के लिए रिजर्व हिस्से में से 51 फीसदी और रिटेल निवेशकों का 33 फीसदी हिस्सा सब्सक्राइब हो चुका है। इसमें 9 मई तक पैसा लगाने का मौका मिलेगा। कंपनी के शेयर आईपीओ के बंद होने के एक सप्ताह बाद 17 मई को शेयर बाजारों में लिस्टेड होंगे। केंद्र सरकार को एलआईसी के आईपीओ से 21,000 करोड़ रुपए जुटने की उम्मीद है। आईपीओ के तहत सरकार कंपनी में अपने 22.13 करोड़ शेयरों की बिक्री कर रही है और इसके लिए मूल्य दायरा 902 से 949 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है।

आईपीओ में पैसा लगाने के लिए डीमैट खाता होना जरूरी

सेबी नियमों के मुताबिक किसी भी कंपनी के इक्विटी शेयर केवल डीमैट रूप में ही जारी होते हैं। इसलिए कोई भी, चाहे पॉलिसी होल्डर्स हो या रिटेल निवेशक, उसके पास एक डीमैट खाता होना जरूरी है। ज्यादातर मार्केट एनालिस्ट इसमें पैसा लगाने की सलाह दे रहे हैं। आईपीओ में शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म दोनों में पैसा बन सकता है। हालांकि, एनालिस्ट इसमें लॉन्ग टर्म तक बने रहने की सलाह दे रहे हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि इंश्योरेंस कंपनियों का बिजनेस मॉडल लॉन्ग टर्म का होता है। अगर आप पॉलिसी धारक कोटे में अप्लाय करते हैं और आपको पहले ही 60 रुपए का डिस्काउंट मिल जाएगा और अगर शेयर 949 रुपए पर भी लिस्ट होता है तब भी आपको प्रति शेयर 60 रुपए का फायदा मिलेगा।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलप सेंटर न्यूज के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलेपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91 जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र।
आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, फोन- 0755-42223334, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल होगा।)